RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 November, 2021

अंक – 05 (मासिक) वर्ष – 17 नवम्बर, 2021 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

श्री महालक्ष्मी नमस्तुभ्यम्

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2021
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

RR KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
SUPEREX FR
FIREX LSOH
UNILAY HR FR
FLAMEX FR-LSH
DO THE
AKALMAND
THING!
RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-05 ▸▸ नवम्बर 2021 ▸▸ वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
नंदकिशोर करवा, दिल्ली

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

धन से ही धर्म का पालन, अतः धनवान बने

सनातन संस्कृति में लक्ष्मी धन की देवी हैं और कुबेर धन के देवता। लक्ष्मी के नाना रूपों में बहुउपास्य धनलक्ष्मी हैं और कुबेर का बहुचर्चित नाम धनेश्वर है। कुबेर धन के देवता अवश्य हैं लेकिन मूलतः धन के कोषाध्यक्ष व रक्षक हैं। इसके उलट लक्ष्मी धनदात्री हैं। इसी कारण महाभारत में अर्थ की माता कहकर उनकी वंदना की गई है।

अर्थ अर्थात् धन लक्ष्मी का कृपा प्रसाद है और सारे संसार के मनुष्य इसकी कामना करते हैं। भारतीय संस्कृति में पुरुष के अर्थ अर्थात् चार पुरुषार्थ में धर्म, काम व मोक्ष के साथ अर्थ को भी समान महत्व दिया गया है। इसका आशय है त्याग से पहले भोग अनिवार्य है और मनुष्य जीवन के अंतिम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति में धर्म और काम के साथ अर्थ भी परम् सहायक है।

जीवन के प्रपंचों से मुक्ति के लिए जो लोग विरक्ति की बात कर धन से बचने का तर्क देते हैं, महाभारत की दृष्टि में उनका चिंतन निरर्थक और तर्क असल में कुतर्क है। इसे शांतिपर्व के युधिष्ठिर और अर्जुन संवाद से आसानी से समझा जा सकता है। इस कथा में युद्ध के बाद परिजनों के नाश का कारण स्वयं को मानकर युधिष्ठिर दुःखी और विरक्त हो गए। महायुद्ध धन-सम्पत्ति के लिए हुआ था और विजय के बाद सब पाकर भी युधिष्ठिर उसे 'लक्ष्मी' को स्वीकार करने के लिए राज़ी न हुए। बल्कि सब त्याग कर वन जाने को उद्यत हो गए। सबके समझाने के बावजूद युधिष्ठिर वन प्रस्थान का अपना निर्णय बदलने को तत्पर नहीं थे। तब अर्जुन ने उन्हें जीवन में धन का महात्म्य स्मरण कराया जो हम सबको धनवान बनने की तर्कसंगत शिक्षा देता है।

अर्जुन ने कहा, 'अर्थाद् धर्मश्च कामश्च नराधिप। प्राणयात्रापि लोकस्य बिना ह्यर्थे न सिद्धयति।।' अर्थात् हे नरेश्वर! धन से ही धर्म, काम और स्वर्ग की सिद्धि होती है। लोगों का जीवन निर्वाह धन के बगैर सम्भव नहीं होता। 'धर्मः कामश्च स्वर्गश्च हर्षः क्रोधः श्रुतं दमः। अर्थादेतानि सर्वाणि प्रवर्तन्ते नराधिप।।' अर्थात् नरेश्वर! धन से ही धर्म का पालन, कामनाओं की पूर्ति, स्वर्ग की प्राप्ति, हर्ष की वृद्धि, क्रोध की सफलता, शास्त्रों का श्रवण व अध्ययन तथा शत्रुओं का दमन होता है।

साधो! अर्जुन ने ठीक ही कहा है कि 'निर्धन मनुष्य धार्मिक कृत्यों का अच्छी तरह अनुष्ठान नहीं कर सकता। जैसे पर्वत से नदी झरती रहती है, उसी प्रकार धन से ही धर्म का स्रोत बहता है।' आशय है यज्ञ, कथा, परोपकार और दान जैसे स्वर्ग के कारक कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब पास में धन हो। निर्धन व्यक्ति दान नहीं दे पाता और न ही अनुष्ठान कराने में समर्थ होता है। अतः उसके लिए मृत्यु के बाद स्वर्ग की प्राप्ति भी अनिश्चित रहती है। इसलिए महाभारत कहती है कि खूब परिश्रम कर सदैव धनवान बनने का उद्योग करना चाहिए। यही पुरुषार्थ है, यही धर्म सम्पादन और यही 'लक्ष्मी' की उपासना भी है। हाँ, अर्जित धन का सदुपयोग भोग से अधिक दान में हो तो वह यश का कारक और देवी लक्ष्मी की प्रसन्नता का निमित्त बनता है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

नई रोशनी के द्वार

इस बार दीपावली रोशनी के नए द्वारों पर रुकी है। यह द्वार परिस्थितिजन्य नहीं हैं, यह पहले भी आलौकित थे लेकिन कुछ अंतराल में छद्म आधुनिकता और पश्चिमी अंधानुकरण ने इनकी उजास को मद्दीम कर दिया था। तेल की दीया-बाती की जगह बिजली-मोम के दीपकों ने ले ली थी। उनकी रंगत के आगे मिट्टी का दीया फीका नजर आ रहा था। फिर हमारी सोच पर डाले गए पर्दों ने हमारी पारंपरिक कलात्मकता को ढंक लिया था। मशीनी कारीगरी ने हाथों की रचनात्मकता को पीछे कर दिया था। रसोई की मिठास पर चाकलेटी स्वाद चढ़ा दिया गया था। अंधानुकरण में हम अपनी सारी धरोहरों को अनजाने ही तिलांजलि दे बैठे। नतीजतन हम भी पतन की गहरी खाई के मुहाने पर आ खड़े हुए, जहां दो ही रास्ते थे- हम भी पाश्चात्य की तरह विनाश की ओर बढ़ते चले जाएं या फिर अपनी संस्कृति और सभ्यता के सनातन में लौट आएं। हमें आगे ढकेलने के लिए पीछे इतनी भीड़ जुट गई थी कि लौटना नामुमकीन नजर आने लगा था।

फिर आ गया कोरोना। .... यह हमें ही नहीं पूरी दुनिया को उस मुकाम पर ले आया जहां जिंदगी के फलसफे को फिर से बुनने की जरूरत महसूस होने लगी। दुनिया की चाल-ढाल बदल गई। पाश्चात्य के जिन मानकों को उच्च श्रेणी का मान लिया गया था, उनका तिलस्म ढल गया। वे मानक फिर उभरे जो भारतीय जीवन शैली, परंपरा और संस्कृति से उपजे थे लेकिन उन्हें पुरातन सोच कह कर नकार दिया गया था। भारतीयता की बुनियादी विज्ञानता को फिर स्वीकारोक्ति मिली है। नतीजतन भारत एक बार फिर समाज और राष्ट्र के मानबिंदुओं के शीर्ष पर विश्व के लिए ज्योतिस्तंभ बन कर खड़ा हो रहा है। निश्चित तौर से आज अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का वक्त है। दीप पर्व के मौके पर दुनिया को भारत नई रोशनी के द्वार पर ला सकता है, जहां जीवन स्पर्धा की अंधी दौड़ नहीं, सह अस्तित्व के उपवन की सुगंध और शीतल बयार महसूस होती है।

कोरोना और डेंगू से जूझते हुए दीपावली की तैयारियों में जुटे लोगों को देख रहा हूं कि किस तरह उनकी सोच बदली है। वे फिर अपनी सांस्कृतिक आबोहवा में जीने के लिए लालायित हैं। किस तरह वे अब खुद को एक एकाकी इकाई नहीं बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर समाने को तैयार हैं। अब मोम के दीपक वाले मॉल की भीड़ सड़क किनारे बैठे माटी कलाकारों के यहां जुट रही है। चाकलेटी नई पीढ़ी की बहुओं ने रसोई संभाल ली है और घरेलू पारंपरिक मिठाइयों की सुगंध उड़ कर हवा को उत्सवी बना रही है। आंगन में प्लास्टिक की चित्रकारी नहीं, बेटियों के हाथों से रची रंगोली सजने लगी है। पाश्चात्य वेशभूषा की जगह पारंपरिक परिधान खरीदे जा रहे हैं। हमेशा व्यस्त रहने वाले पड़ोसी अपने ईगो तिरोहित कर फिर वक्त निकाल कर हंस-बोल रहे हैं।

हाल ही में जब एक व्यापारी मित्र से दीपावली के बाजार को लेकर बात चली तो उनका अनुभव चौकाने वाला था। उनका कहना था कि अब धनाढ्य और सामान्य के बीच अंतर पट गया है। खरीदारों में जिस मानक की वस्तुएं उच्च वर्ग की पसंद थी, वह अब सामान्य वर्ग की भी बन गई है। प्रीमियम क्वालिटी पर बाजार परिवर्तित हो रहा है। धनाढ्य ने अपने स्तर को कुछ नीचे किया है और सामान्य ने कुछ ऊंचा। दोनों के लिए पैसे का महत्व अब बराबरी का नजर आ रहा है। ई-कॉमर्स में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के एकाधिकार को तोड़ते भारतीय व्यापारी अपने भविष्य की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसे कई परिवर्तनों के मार्फत भारतीय समाज रोशनी के नए द्वार खोलता नजर आता है। इस परिवर्तन में हम कितने भागीदार हैं, यह हमें विचार करना है।

दीप पर्व पर हमेशा की तरह श्री माहेश्वरी टाइम्स का यह अंक नई सज-धज और पठनीय सामग्री के साथ प्रस्तुत है। हमें विश्वास है आप अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवश्य अवगत कराएंगे।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

दिल्ली निवासी 67 वर्षीय नंदकिशोर करवा की पहचान जहाँ एक सफल व्यवसायी के रूप में है, वहीं एक अत्यंत सक्रिय समाजसेवी के रूप में भी है, जो सदैव समाज के लिये चिंतनशील रहते हैं। श्री करवा श्री जयचंदलाल करवा माहेश्वरी होस्टल (सिविल तथा ज्युडिशियल सर्विसेस प्रतिभागियों के लिये संचालित) का संचालन करने वाले "ए.बीं. माहेश्वरी एज्युकेशनल ट्रस्ट दिल्ली" के चेयरमेन हैं। इसके साथ ही आप ट्रस्टी/संरक्षक के रूप में श्री बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र भीलवाड़ा, श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी-ब्यावर, श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई, सनातन धर्म पब्लिक ट्रस्ट दिल्ली आदि को सक्रिय सहयोग दे रहे हैं। आप माहेश्वरी मंडल दिल्ली को उपाध्यक्ष तथा माहेश्वरी महासभा को सक्रिय सदस्य के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

युवा शक्ति को करें प्रोत्साहित

वर्तमान दौर में भारत के पास विकास की प्रबल सम्भावनाऐं हैं। कारण यह है कि किसी भी देश को उन्नति के लिये युवावर्ग की शक्ति अनिवार्य है। युवा वर्ग के बिना उन्नति सम्भव नहीं। सौभाग्य से वर्तमान में हमारा देश विश्व के सबसे अधिक युवाओं वाले देश में से एक है। ऐसे में हमारे पास युवा ऊर्जा तो प्रचुर मात्रा में है, बस जरूरत इसे सही दिशा और सही अवसर प्रदान करने की है। इसके लिये देश के साथ ही माहेश्वरी समाज को भी युवाओं को पर्याप्त अवसर प्रदान करने के प्रयास करने होंगे। यदि हम ऐसा करते हैं, तो हमें उन्नति के शिखर की ओर बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता।

हममें उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने की कितनी क्षमता है तथा कितना जुनून है, उसका प्रमाण माहेश्वरी समाज की विकास यात्रा में मौजूद हैं। वर्षों पूर्व हमारे पूर्वज राजस्थान की मरूभूमि से अवसर की तलाश में देश के कोने-कोने में जा पहुँचे थे। यह वह दौर था, जब आवागमन तो कठिन था ही साथ ही खतरों से भरा भी था, लेकिन उनके जुनून के सामने सब कुछ नतमस्तक हो गया। फिर ईमानदारी, कठोर मेहनत और व्यवसाय कुशलता से आगे बढ़ते ही गये और जहाँ भी गये प्रतिष्ठित व्यापारी अथवा उद्योगपति के रूप में स्थापित हो गये। चाहे वे लोग अपनी मिट्टी से दूर चले गये लेकिन अपने नैतिक मूल्यों तथा संस्कृति से अत्यंत गहराई से हमेश जुड़े रहे।

उपरोक्त दृश्य को समझकर आप भी मानने लगे होंगे कि हममें अप्रतीम क्षमता है, बस उसके सदुपयोग की जरूरत है। वर्तमान दौर में बस युवा पीढ़ी में सोश्यल मीडिया आदि के प्रभाव ने नाटकीय रूप से सोच में परिवर्तन किया है। वे समाज व परिवार की बजाए सोश्यल मीडिया, मित्र तथा कार्य स्थल से अधिक प्रभावित हैं। ऐसे में परिवार व समाज के संस्कारों पर यदि प्रतिकूल प्रभाव होता है, तो वह स्वाभाविक है, लेकिन इसे हमें अपने पारिवारिक व सामाजिक संस्कारों तथा आदर्शों से रोकना होगा। इसके लिये हम ये आदर्श उन पर थोप नहीं सकते बल्कि इनकी उपयोगिता तथा शक्ति को हमें उन्हें समझाना होगा। हमारे यही संस्कार हैं, जिनके बल पर हमारे पूर्वजों ने व्यावसायिक सफलता की कहानी लिखी थी और ये आज भी न सिर्फ समसामयिक हैं, बल्कि इतने समर्थ हैं कि वर्तमान दौर में भी हमें उन्नति के शिखर पर पहुँचा सकते हैं।

मैं आज की युवा पीढ़ी से अनुरोध करता हूँ कि वे शांति से बैठकर एक बार अपनी प्राथमिकता पर चिंतन करें। इसमें परिवार ही हमारी प्रथम प्राथमिकता होना चाहिये। कारण है कि परिवार की शक्ति से ही हम सफलता का शिखर छू सकते हैं लेकिन परिवार के बिना कुछ भी हासिल नहीं कर सकते। अपने आपको उन्नति के पथ के लिये तैयार करने हेतु ध्यान, अध्ययन, मनन, यात्रा आदि द्वारा भी अपडेट बनाए रखें। याद रखें युवा वर्ग में अद्भूत ऊर्जा है। यदि आप इसका सदुपयोग करेंगे तो निश्चय ही माता महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी।

नंदकिशोर करवा
दिल्ली

श्री आशापुरा माताजी

टीम SMT

श्री आशापुरा माताजी (आशापूर्णा) माहेश्वरी समाज की चांडक, तापड़िया, मोहता, भंडारी, भैया, मल एवं टावरी खांप की कुलदेवी हैं।

आशापुरा माताजी का भव्य मंदिर पोकरण नगर से तीन किलोमीटर पश्चिम में पोकरण बायपास सड़क पर (जिला जैसलमेर) से तीन किलोमीटर दूर स्थित है। इसके इतिहास के बारे में पुजारी श्री पुखराज बिस्सा ने बताया कि श्री माताजी गुजरात प्रांत के कच्छ-भुज क्षेत्र से पोकरण आई। बताते हैं बिस्सा कुल के महापुरुष श्री लुणमानजी बिस्सा माताजी के परम भक्त थे। वे अपनी योग साधना से नित्य माताजी के दर्शन करने के पश्चात भोजन ग्रहण करते थे। उनकी वृद्धावस्था होने पर उन्होंने माताजी से प्रार्थना की कि अब नित्य आना संभव नहीं है अतः मेरा संकल्प अधूरा रह जाएगा। माताजी ने भक्त की पीड़ा समझकर प्रत्यक्ष दर्शन देकर वर मांगने को कहा। बिस्साजी ने भाव-विभोर होकर कहा आप मेरे साथ मेरे गांव चलें। माताजी ने चलने का वचन दिया और बदले में एक वचन भी लिया कि आगे-आगे आप चलें मैं पीछे आ रही हूं जहाँ भी पीछे मुड़कर देख लोगे वहां से आगे नहीं चलूंगी। बिस्साजी आश्वस्त होकर माताजी को लेकर रवाना हुए। पोकरण के पास आते-आते उनको माताजी की पायल की झनकार सुनाई देना बंद हो गई तो उनका धैर्य जवाब दे गया उनको लगा माताजी शायद पीछे नहीं आ रही है और उन्होंने पीछे मुड़कर देख लिया। बस माताजी ने बिस्साजी से कहा मेरा स्थान यहीं रहेगा। (अगर भौगोलिक स्थिति पर गौर करें तो लगता है यहां धैर्य टूट सकता है।)

मंदिर में अखंड ज्योत लंबे समय से जल रही है। यहां की व्यवस्था दान पेटी से प्राप्त राशि से होती है। मंदिर में आवास व्यवस्था के लिए बीस कमरे उपलब्ध हैं। सारी व्यवस्था बिस्तर-बर्तन के साथ उपलब्ध है। इसी के साथ बीकानेर के लोगों द्वारा एक बड़ी धर्मशाला का निर्माण हुआ है जिसमें लगभग 50 कमरे हैं, जहां पर सभी सुविधा उपलब्ध है। दर्शनार्थियों के लिये शुद्ध सात्विक भोजन की सुविधा न्यूनतम दर पर है।

मंदिर में पूजन प्रतिदिन प्रातः 6 बजे एवं आरती प्रातः 8 बजे होती है। प्रातः की आरती का समय निश्चित है लेकिन सायंकाल की आरती सूर्यास्त के अनुसार होती है। सालभर में दोनों नवरात्रि पर दुर्गापाठ, हवन एवं भंडारा होता है जिसमें आसपास के लोगों यहां आते हैं।

कैसे पहुंचें आशापुरा माताजी

पोकरण शहर राजस्थान के जोधपुर से सड़क मार्ग से 170 किलोमीटर, जैसलमेर से 100 किमी, रामदेवरा से 20 किमी दूरी पर स्थित है। यहां से माताजी का मंदिर पोकरण शहर से बायपास सड़क पर स्थित है। आशापुर माता मंदिर आशापुरा गोमठ-जैसलमेर रेलवे लाइन से तीन किलोमीटर दूर स्थित है। मंदिर परिसर में टेलीफोन लगा हुआ है जिसका नंबर 02994-241147 है।

सेवा भावना यूं ही बनी रहे

समस्त स्वजातीयजनों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं। हमारा समाज हमेशा से ही सेवाभावी समाज रहा है। देश के विभिन्न भागों में बने भवन व संचालित गतिविधियाँ तो इसका प्रमाण हैं ही साथ ही कोरोना महामारी की दोनों लहर के दौरान समाज ने देश के हर स्थान पर अपने खर्च व अपने स्तर पर जरूरतमंदों की सेवा करने का जो अनूठा प्रयास किया, उसने समाज को हर आमजन में और भी गौरवान्वित कर दिया। हमारे समाज में भी कुछ ऐसे अपने थे, जिन्हें अपनों की मदद की जरूरत थी। मैं समाज की ऐसी अप्रतीम सेवा भावना को नमन करता हूँ और यह भावना इसी तरह बनी रहे, ऐसी माता महालक्ष्मी से कामना करता हूँ।

पद्म श्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

श्रेष्ठ संस्कारों का करें विस्तार

दीपावली महापर्व की समस्त स्वजनों को हार्दिक शुभकामनाऐं एवं सभी की सुख-समृद्धि की माँ महालक्ष्मी से मंगलकामनाऐं।

शास्त्र वचनों के अनुसार माता महालक्ष्मी का आशीर्वाद उसे प्राप्त होता है, जो संस्कारवान हैं। कारण यह है कि संस्कार वह शक्ति है, जो हमें हर विपरीत परिस्थिति से निपटकर आगे बढ़ने की शक्ति देती है। माहेश्वरी समाज यदि उद्योग-व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता के शिखर पर बैठा है, तो इसका श्रेय समाज के श्रेष्ठ संस्कारों को ही जाता है। अतः इस पावन पर्व पर माता महालक्ष्मी के साथ अपने इन संस्कारों को भी नमन करें।

जोधराज लड्ढा
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

हर हाल में जीतना ही है

समस्त स्वजातीयजनों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं और सभी के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की मंगलकानाऐं!

यह पर्व वास्तव में अंधकार अर्थात निराशा पर प्रकाश अर्थात् आशा की विजय का पर्व है और अपने इस उद्देश्य के कारण वर्तमान दौर में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। कोरोना महामारी से हम स्वास्थ्य के तौर पर तो सम्हले हैं, लेकिन जिन विषमताओं से इस दौरान जूझना पड़ा उसने हमारे मन मस्तिष्क पर निराशा का अंधकार व्याप्त कर दिया है। जब तक इसे हम नहीं हटाऐंगे, इस पर्व की सार्थकता नहीं है। याद रखें हमारे पूर्वजों के सामने भी कई चुनौती आयीं लेकिन उनसे वे हार मानकर लौट गईं। हम उसी समाज की संतान हैं। अतः हमें हर हाल में जीतना ही है और हम जितेंगे।

रामकुमार भूतड़ा
पूर्व महामंत्री, अ.भा. माहेश्वरी सभा

सफलता के पथ पर आगे बढ़े

दीपावली पर्व की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं साथ ही सभी को सर्वांगीण विकास की मंगलकामनाऐं।

दीपावली पर्व इस बार कोरोना के निराशामय अंधकार में आशा के प्रकाशपर्व की तरह आ रहा है। इस दौर ने हमें आधुनिक तकनीक की वह प्रकाश की किरण दिखाई है, जो हमें सफलता के शिखर की ओर पहुँचा सकती है। याद रखें इस महामारी ने हमें परिवर्तन का संदेश दिया है, नई तकनीकों की ओर बढ़ने का। यदि इसे हमने आत्मसात किया तभी हम सफलता के पथ पर आगे बढ़ पाऐंगे।

रामअवतार जाजू
पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी बोर्ड
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सकारात्मकता का बने पर्व

सर्वप्रथम मैं अपनी ओर से समस्त समाजजनों को इस प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ, साथ ही सभी से इसे वास्तव में प्रकाश पर्व बनाने की अपील भी करता हूँ। यह पर्व प्रकाश अर्थात खुशियों का पर्व है, तो इसकी सार्थकता भी तभी है, जब हम हर अपने के यहाँ खुशियों का प्रकाश पहुंचा सकें। वैसे तो हमारा समाज लक्ष्मी पुत्रों का समाज है, लेकिन ऐसे समाजजनों की संख्या भी कम नहीं है, जो आर्थिक रूप से संभलने की कोशिश कर रहे हैं। अतः यदि हम समर्थ हैं, तो उन्हे संबल दे कर उनके जीवन में खुशियों का प्रकाश फैला सकें तभी इस पर्व की सच्ची सार्थकता होगी। इसके लिए हमें देश के कस्बों व गांवों में रह रहे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ना होगा। पिछले साल की तरह इस बार भी हमें कुछ नियमों का पालन करना है जैसे बहुत अधिक संख्या में एक जगह एकत्रित न हों तथा जहां आवश्यक हो आपस में उचित दूरी बना कर अपना व अपनों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखते हुये त्योंहार का आनंन्द लें क्यों कि कोरोना का खतरा अभी तक पूरी तरह गया नहीं है।

'एक बार पुनः आप सभी को दीपावली की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं'

त्रिभुवन काबरा
उपसभापति (मध्यांचल) अ.भा. माहेश्वरी महासभा

समाज के आदर्श कायम रखें

दीपावली के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूँ।

मैं मंगलकामना करता हूँ कि समाज में सदैव प्रेम, सहनशीलता, सदभावना, सदाचार समर्पण बना रहे। समाज हर क्षेत्र में सफलता की ऊंचाइयों को छुए। समाज बंधुओं को प्रतिष्ठा एवं सफलता प्राप्त हो, समाज बंधु सदैव प्रसन्नचित्त रहें। मैं भगवान से यही कामना करता हूँ कि हमारे समाज व राष्ट्र को इस समय आई हुई आपदा से जल्द मुक्ति दिलाए तथा समाजजन स्वस्थ और सुरक्षित रहे, सभी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हों।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

अशोक सोमानी
उपसभापति (उत्तरांचल) अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सभी स्वस्थ रहें समृद्ध रहें

दीपावली के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूँ।

मैं मंगलकामना करता हूँ कि समाज में सदैव प्रेम, सहनशीलता, सद्भावना, सदाचार, समर्पण बना रहे। समाज व्यापार-व्यवसाय, शिक्षा, राजनैतिक, खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक इत्यादि क्षेत्र में सफलता की ऊंचाईयों को छुएं। समाजबंधुओं को प्रतिष्ठा एवं सफलता प्राप्त हो, स्कामाजबंधु सदैव प्रसन्नचित्त रहें। मैं यही कामना करता हूँ कि समाजजन और अधिक समृद्धशाली बने, स्वस्थ और सुरक्षित रहे, समाज प्रगति करे और राष्ट्रहित में समाज का योगदान अधिक से अधिक बढ़े।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

राजकुमार काल्या
(राष्ट्रीय अध्यक्ष) अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

धन का करें सदुपयोग

अनावश्यक खरीददारी पर रोक लगाकर, उस पर होने वाले धनराशि के व्यय का उपयोग जरूरतमंदों की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के लिए करना चाहिए, जिससे हमारी धनराशि का सदुपयोग भी होगा और हमें परम शांति तथा पुण्य का अनुभव प्राप्त होगा। सोश्यल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए गरीबों में मिठाईयां बांट कर देखिये, अपार सुख और खुशी प्राप्त होगी। आप सभी के घर परिवार एवं व्यापार में हमेशा सुख, समृद्धि, शांति और आनंद का वास बना रहे, साथ ही इन सभी का उपभोग करने हेतु आप सभी को आरोग्य व धन की प्राप्ति हो ऐसी शुभकामना प्रेषित करता हूँ।

कमलकिशोर चांडक
पूर्व संयुक्त मंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा
राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, भा.ज.फा.

सकारात्मकता का करें स्वागत

सभी के कल्याण व सकारात्मकता की कामना ही दीपावली पर्व का मुख्य लक्ष्य है। हमारा जीवन भी दीपमालिका की जगमगाहट की भांति ज्योतित रहे, यही कामना हमारे भीतर जागृत रहे एवं हम दीपमालिका के समान ही अपने घर परिवार को प्रकाशित करते रहें। यह त्योंहार हमें अपने जीवन में प्रकाश भरने की प्रेरणा देता है। ज्ञान का प्रकाश ही हमें मंजिल तक ले जा सकता है। तो आईये पूर्ण सकारात्मकता के साथ प्रकाश का स्वागत करें और सकारात्मकता का विस्तार।

श्यामसुंदर राठी
कार्य समिति सदस्य
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

यत्र पूज्यन्ते नारी...

दीप पर्व की शुभकामना देते हुए सभी के सर्वांगीण मंगल की मंगलकामना।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है, ''यत्र पूज्यन्ते नारी तत्र रमन्ते देवता''। इसका अर्थ ही वास्तव में नारी की महत्ता को प्रतिपादित करता है। इसी क्रम में माता महालक्ष्मी की आराधना का यह पावन पर्व हम मना रहे हैं। लक्ष्य है, तो बस शक्ति स्वरूपा को नमन करना। इस क्रम में मैं समाज की उन नारी शक्ति को नमन करना भी अनिवार्य समझता हूँ, जो समाज ही नही अपितु मानवता की सेवा के लिये तन-मन-धन से अपने पूरे मातृत्व भाव के साथ जुटी रहती हैं। कोरोना काल में माहेश्वरी नारी शक्ति की इन्हीं पावन भावना का साक्षी पूरा देश बना और अब महिलाऐं सकारात्मकता फैलाने का काम कर रही हैं। समाज की नारी शक्ति के इन योगदानों को मैं शत-शत नमन करता हूँ।

घनश्याम करनानी
पूर्व प्रबंध न्यासी, श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट

नकारात्मकता में भी सकारात्मकता

सभी समाजजनों को दीपावली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं तथा सुख समृद्धि की रोशनी से सभी का जीवन आलौकित हो ऐसी मंगल कामनाऐं!

हम कोरोना महामारी के कारण दो बार लम्बे लॉकडाऊन की स्थिति से गुजरे हैं। इस स्थिति में परेशानी भी हमने उठाई लेकिन इसने हमें परिवार का महत्व भी समझा दिया। हम व्यावसायिक खींचतान की स्थिति में परिवार के महत्व को भूल चुके थे। इसने हमें वह सौगात पुनः दी है। दीर्घावधि में यह स्थिति हमारे सामने कोरोना का सुखद परिणाम भी बनकर आऐगी।

पुनः सभी को दीपावली की शुभकामनाऐं!

श्यामसुंदर मंत्री
कुंचामनसिटी

सकारात्मकता की ओर बढ़ें

सभी को माता महामक्ष्मी की उपासना के इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं व सभी के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की मंगलकामनाऐं।

इस बार भी यह पर्व कोरोना काल में तो आया लेकिन विजय पर्व के रूप में। ऐसे में यदि हम दीपावली का संदेश आत्मसात कर निराशा से सकारात्मकता की ओर बढ़ सकें तभी इस पर्व की सार्थकता होगी। याद रखें निराशा में वह नकारात्मक शक्ति है, जो हमें असफल कर देती है, तो सकारात्मकता में सफलता की ओर ले जाने की शक्ति। फैसला बस हमारे हाथ में है, हमें क्या चाहिये? तो आईये टीकाकरण अभियान में भी सहयोगी बनें।

मधु ललित बाहेती
कार्यालय मंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

JCKM

SHRI JAICHANDLAL KARWA MAHESHWARI HOSTEL

PATEL NAGAR - BOYS

CIVIL SERVICES & JUDICIAL SERVICES

PATEL NAGAR - GIRLS

FACILITIES

- **Boys** Hostel @ **Patel Nagar** – 17 triple sharing rooms for 51 students; Lift & Seminar Hall
- **Girls** Hostel @ **Patel Nagar** – 6 triple / double sharing rooms for 17 students
- **Centrally located** (5-10 min to Metro Station / 15-20 min to coaching centres)
- All AC rooms with attached bath, Beds, Cabinets & Study Tables
- **Conclave Seminars, Mock Tests, Discussion Forums & Coaching Centre Tieups**
- **Vegetarian Mess** serving home like meals
- **Modern Amenities** like Wifi, Library / Study Room, Laundry / Washing Machine etc.
- **Safe & Secure** with CCTV, Biometric Access, Fire Fighting Equipment
- **Financial Assistance** & **Scholarship**

ADMISSION OPEN – Apply Now for 2021 – 2022 Session

For online Application Form, email with Name / Town / email ID / Mobile to admission@jckmhostel.com OR Whatsapp 9871568822

Click to see Video Tour

Click to download the Hostel Brochure

Click for Online Application

Click Dec'19 & Oct'20 to download Buzz@JCKM Newsletter

For details email info@jckmhostel.com, Call 7827993296 or Click WhatsApp

YouTube Facebook

Nand Kishore K arwa	Kailash Chand Malani	Rajeev Marda	Brij Mohan Rathi	Nilesh Karwa
(Chairman)	(Managing T rustee)	(Secretary)	(Treasurer)	(Jt. Secretar y)

A B MAHESHWARI EDUCATIONAL TRUST, New Delhi

(Inspired by Akhil Bhartvarshiya Maheshwari Mahasabha)

Boys Hostel
Cottage 22, Balraj Khanna Marg
West Patel Nagar, New Delhi 110008

+91-7827993296
011-49147373 / 7979
www.jckmhostel.com

Girls Hostel
Cottage 14, Balraj Khanna Marg
West Patel Nagar, New Delhi 110008

युवा संगठन आयोजित करेगा सोमनाथ में प्रथम बैठक

21 से 23 दिसम्बर तक होगा वर्चुअल एक्सपो

सोमनाथ। अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की षष्ठम कार्य समिति बैठक वर्चुअली जूम पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसमें लिए निर्णयानुसार 02 जनवरी 2022 को नववर्ष की बैला में प्रथम दिवस पर पहली फिजिकल बैठक का आयोजन गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व तथा आतिथ्य में ज्योतिर्लिंग सोमनाथ दर्शनों के साथ होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने सत्र शुरूआत में 12 ज्योतिर्लिंगों पर कार्यसमिति बैठक आयोजन करने का निर्णय लिया था उसी क्रम में कोरोना के वातावरण के सही होते ही पहली बैठक ज्योतिर्लिंग सोमनाथ पर आयोजित की जा रही है। इसी दिन मोबाईल ऐप की लांचिंग की जा रही है जिसमें पूरे विश्व भर के माहेश्वरी व्यापारी परिजनों को कनेक्ट करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे बॉयर्स और सेलर्स को आपस में कनेक्ट कराकर उनके व्यापार व्यवसाय को बढ़ाने एवं युवाओं को रोजगार की अपोर्चुनिटी देने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही 21,22 व 23 दिसम्बर को वर्चुअल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। इसमें एक हजार से अधिक समाजबंधुओं की स्टॉल्स लगने की संभावना है और हजारों की संख्या में समाजबंधु इसमें शामिल होंगे।

कॉन्टेस्ट स्टार्टअप का भी आयोजन

इसी के साथ स्टार्टअप न्यू आयडिया कॉन्टेस्ट स्टार्टअप का आयोजन भी किया जा रहा है जिसमें वेन्चर कैपलिस्ट और इन्वेस्टर्स के थ्रू समाज के युवाओं के स्टार्टअप में फंडिंग कराये जाने का प्रयास किया जाएगा। सोमनाथ में "युवा शिक्षारत्न" समारोह में युवाओं के सम्मान का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें समाज के 10वीं व 12वीं के टॉप- 10 विद्यार्थियों को वहां पर सम्मानित किया जाएगा। कारण है कि इन्हीं में से कोई आरईएस, आईएएस बनेंगे और उनको जो भी मदद चाहिये वह समाज के ट्रस्टियों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। लोहार्गल में युवा संगठन का महत्वपूर्ण प्रकल्प माहेश्वरी भवन कम्पलिट होकर समाज को पहले ही समर्पित किया जा चुका है। वहां पर ही एक भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य जल्द ही शुरू कराया जाएगा। इसमें शिव प्रतिमाओं के साथ समाज की सभी कुलदेवियों की प्रतीकात्मक मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। मंदिर संपूर्ण मार्बल का होगा, एक ग्राम भी लोहे का उपयोग नहीं किया जाएगा। यह विश्व भर में माहेश्वरी समाज का अपना अनूठा मंदिर होगा।

समाज के युथ सेन्टर्स की भी होगी स्थापना

राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या व महामंत्री ने बताया कि समाज के विभिन्न प्रदेशों में यूथ सेंटर की स्थापना की जाना प्रस्तावित है, जहां पर मेडिकल इक्यूपमेंट, छोटी सी डिस्पेंसरी और एक ऑफिस सेटअप हो। इसमें लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम 5 लाख रूपए प्रत्येक प्रदेश में काल्या परिवार के ट्रस्ट श्री बसंतीलाल मनोरमा देवी काल्या फाउंडेशन द्वारा सहयोग स्वरूप प्रदान किया जायेगा। इसी तरह से युवा संगठन के ट्रस्ट बसंतीलाल मनोरमा देवी काल्या अखिल भारत वर्षीय माहश्वेरी युवा फाउण्डेशन द्वारा समाज की उभरती हुई खेल, कला एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को कार्यक्रम का आयोजन कर राष्ट्रीय स्तर पर प्लेटफार्म प्रदान दिया जा रहा है। इस हेतु अगस्त 2022 में इसका आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही खेल महोत्सव के आयोजन की भी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है और महाअधिवेशन आयोजित करने के लिए युवा संगठन तत्पर है। ऐसे कई महत्वपूर्ण और निर्णायक निर्णय लिये गये हैं। जल्द ही युवा संगठन द्वारा ई बुलेटिन की शुरूआत की जा रही है।

स्वनियोजिता प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत महिला अधिकार, उत्थान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति द्वारा 24 सितंबर एवं 5 अक्टूबर को पांचों अंचलों में तीन चरणों में प्रतियोगिता स्वनियोजिता का आयोजन हुआ। इसके प्रथम चरण में सभी 27 प्रदेशों से पांच पांच लोगों की टीम्स का ग्रूमिंग सेशन हुआ, जिसमें आई आई एम ग्रेजुएट तथा फिक्की की चेयरमैन पिंकी माहेश्वरी ने महिलाओं को व्यापार के गुर सिखाए। दूसरे चरण में नये व्यापार की प्लानिंग करते हुए किन चीजों को ध्यान रखना चाहिए और किस तरह प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने चाहिए, पर समिति प्रभारी प्रमुख श्रीमती गिरिजा सारंडा द्वारा ट्रेनिंग दी गई एवं

इन्वेस्टर्स के सामने कैसे पिच किया जाता है सिखाया सुश्री लावण्या सारडा ने। तीसरे चरण में एक वर्चुअल सेशन के अलग-अलग ब्रेक आउट रूम में प्रत्येक प्रदेश के प्रतिभागियों ने ना सिर्फ टेक्नोलॉजी का ज्ञान लिया बल्कि अपने अपने व्यापार की प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के लिए वृहत डिस्कशन भी किया। अंतिम चरण प्रतियोगिता का था। इसमें दक्षिणांचल में महाराष्ट्र ने प्रथम और मुंबई ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पूर्वांचल में कोलकाता ने प्रथम और उत्कल प्रदेश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उत्तरांचल में मध्य उत्तर प्रदेश ने प्रथम और दिल्ली प्रदेश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मध्यांचल में विदर्भ ने प्रथम और पूर्वी मध्य प्रदेश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पश्चिमांचल में दक्षिणी राजस्थान ने प्रथम और पूर्वी राजस्थान प्रदेश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

(अंतर्गत- अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन)

श्यामा भाँगड़िया
अध्यक्ष

प्रभा जाजू
सचिव

राधा चांडक
कोषाध्यक्ष

सुनीता मूंधड़ा
संगठन मंत्री

किरण लड्ढा
रा. उपाध्यक्ष (उत्तरांचल)

शर्मिला राठी
संरक्षक एवं राष्ट्रीय प्रभारी

मंजू मांधना
संरक्षक एवं राष्ट्रीय प्रभारी

लक्ष्मी बाहेती
रा. कार्यसमिति

आशा रांधड़
विशेष आमंत्रित रा. कार्यसमिति

विनीता बियानी
संस्थापक अध्यक्ष

उर्वशी साबू
प्रकल्प प्रमुख व रा सह प्रभारी

सरिता सोनी
प्रचार प्रसार मंत्री

पंकज लोहिया
सांस्कृतिक मंत्री

प्रतिभा जाजू
परामर्श मंडल

सरोज दग्गड़
परामर्श मंडल

नीता माहेश्वरी
परामर्श मंडल

ममता बागड़ी
परामर्श मंडल

आशा जैथलिया
परामर्श मंडल

उमा झँवर
परामर्श मंडल्ल

पूनम तोषनीवाल
परामर्श मंडल

उमा सोनी
परामर्श मंडल

बबिता सामदानी
परामर्श मंडल

सुनीता झँवर
उपाध्यक्ष

इंदु लड्ढा
उपाध्यक्ष

अंजु सोमानी
उपाध्यक्ष

वीना काबरा
उपाध्यक्ष

वंदना समदानी
सह सचिव

संगीता चांडक
सह सचिव

रेणु लड्ढा
सह सचिव

सूर्यकला लड्ढा
सह सचिव

सरोज दम्मानी
विशेष आमंत्रित सदस्य

परिवार बचाने पर हुआ वृहद चिंतन

कोरोना के बाद आयोजित हुई पश्चिमी मप्र महिला संगठन की प्रथम प्रत्यक्ष बैठक

नीमच (म.प्र.)। कोरोना की विभीषिका को झेलने के पश्चात बहुप्रतीक्षित पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम प्रत्यक्ष बैठक का आयोजन नीमच जिले के मनासा में किया गया। 28 अक्टूबर को स्थानीय समाजजनों के सहयोग से बैठक का शुभारम्भ हुआ।

सर्वप्रथम भगवान महेश का पूजन, माल्यार्पण, दीपप्रज्वलन अतिथि माधव मारु (विधायक), पू रा. अ. गीता मूँदड़ा, सुशीला काबरा, वीणा सोमानी, निर्मला बाहेती, ओमप्रकाश भराणी, अजय झँवर, उषा सोडानी, सरोज सोनी, हेमा झँवर, वन्दना मालानी,गीता झँवर,स्नेहलता मूँदडा, कैलाश आगार.राजकुमार मुछाल, ब्रजलता तोषणीवाल, चंचल बाहेती, रितु झँवर, अर्चना सारड़ा द्वारा किया गया। नीमच जिला महिला संगठन की अध्यक्ष रितु झँवर एवं कैलाश आगार ने इस अवसर पर पधारे सभी समाजजनों का शाब्दिक स्वागत किया। तत्पश्चात कोरोना काल में दिवंगत साथियों को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। प्रदेश अध्यक्षा वीणा सोमानी ने अपने स्वागत उदबोधन में सभी का स्वागत कर संगठन को सशक्त बनाने की बात रखी। साथ ही भावी योजनाओं से अवगत कराते हुए बताया कि परिवार कल्याण योजना तहत प्रदेश के सभी जिलों में काउंसिलिंग टीम का गठन, जन कल्याण योजना से अंतिम छोर की महिलाओं को जोड़कर जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदत्त कराना, प्रदेश में रोज़गार मेला लगाने आदि के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश मंत्री उषा सोडानी ने पिछली कार्यकारिणी बैठक के अवसर पर आयोजित कार्य की संक्षिप्त जानकारी देते हुए भविष्य में प्रदेश संगठन द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

परिवार बचाने पर हुआ चिंतन

प्रदेश सभा मानद मंत्री अजय झँवर ने कोरोना काल में किए गये कार्यों की जानकारी देने के साथ ही समाज में बढ़ते तलाक़, अंतर्जातीय विवाह की समस्या पर चिंतन करना आवश्यक बताया। प्रदेश सभा अध्यक्ष ओ. पी. भराणी ने इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए इस ज्वलंत समस्या पर मातृशक्ति से आगे बढ़कर समाज के प्रति बढती उदासीनता कम करते हुए समर्पण की भावना अपने बच्चों एवं परिवार में जागृत करने पर ज़ोर दिया। मुख्य अतिथि विधायक माधव मारु ने अपने समाज को विश्व का सबसे अधिक बुद्धिमान बताया और कहा हम माहेश्वरी अपने पदचिन्ह बनाते हैं। समय के बदलाव के साथ विलासिता संस्कृति को देखते हुए अपने बच्चों को अधिक कमाने के लिए विदेश भेजना व स्वयं अकेले रहना ग़लत है। सब चलता है - कहकर अपने बच्चों की ग़लत गतिविधि को नहीं रोकना,इस पर विचार करना होगा। पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा ने सेवा कार्यों का संकल्प लेने की बात पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अभी श्राद्ध दिवस चल रहे हैं तो अपने बच्चों को अपने पूर्वजों द्वारा किए गये पुण्यकार्य बताकर उनके नेक विचारों को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित करें।बच्चों को बचपन से ही मातापिता को प्रणाम, बड़ों का सम्मान सिखाने के साथ अच्छी सोच,मज़बूत इरादों पर चलने की प्रेरणा दें। प्रदेश कोषाध्यक्ष सरोज सोनी द्वारा आय -व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि पू. रा. अ. गीता मूँदड़ा को वन बंधु परिषद की राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त होने पर प्रदेश संगठन द्वारा सम्मानित किया गया।

सेवा व चिंतन पर प्रतियोगिता

द्वितीय सत्र में प्रदेश की आँचलिक रिपोर्ट की प्रस्तुति उपस्थित उपाध्यक्ष एवं संयुक्त मंत्री द्वारा देते हुए अभी तक किए गये सामाजिक कार्यों की एवं आगामी योजनाआ की जानकारी दी गई। प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों के लिए प्रतियोगिता रखी गयीं। इसमे प्रथम-सुमन सारड़ा इंदौर, द्वितीय-साधना बियानी-देवास, प्रोत्साहन- पुरस्कार विजेता भारती लखोटिया आगर (शाजापुर) रहीं। साहित्य समिति की ''कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन'' एवं ''कोरोना पर मुक़दमा'' नाटिका लेखन के प्रादेशिक विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट द्वारा कई उपयोगी जानकारी प्रस्तुत की गयी। चिंतन सत्र के आयोजन में भी सभी के लिए प्रतियोगिता का आयोजन विषय - हमारा गौरव भारतीय संस्कृति और संस्कार पर किया गया। इसमे प्रथम- मनीषा राठी-उज्जैन, द्वितीय-जय श्री होलानी-काँटाफोड़ तथा प्रोत्साहन- पुरस्कार विजेता हेमा बिहानी, इन्दौर रहीं। खुला मंच में संगठनो में होने वाली विभिन्न परेशानियों का समाधान वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा किया गया। आभार वीणा सोमानी- अध्यक्ष तथा उषा सोडानी- प्रदेश मंत्री ने माना।

॥ दीपावली के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

Dinesh Chandak
94136-49310

WWW.SUNCITYEVENTS.IN

suncity™

...Fireworks & Events...

Lights Sound Decor Discover

WE MASTER IN SPECIAL EFFECTS

Contact for : Grand Display of Colourful Fire Works
For Marriages, Parties, Films & Events

48, Stadium Shopping Center,
Behind Ansal Mall Girdhar Mandir Road
JODHPUR (Raj.) - 342001

Radheshyam Chandak
98290-47801

VSW

BIKE STUDIO
THE COMPLETE BIKE STORE

VANIA SPORTS WORLD

48, Stadium Shopping Centre,
Behind Ansal Mall
Girdhar Mandir Road,
JODHPUR (Raj.) - 342001

sportshopee@gmail.com

www.bikestudio.in

VIKAS CHANDAK
87699-88033

LKC WAREHOUSES, KHEENSAR (RAJ.)

कमल किशोर चाण्डक

ए-123, शास्त्रीनगर, जोधपुर मो. 9829028801

श्री माहेश्वरी टाईम्स ने करवाया
सामूहिक पितृ श्राद्ध

पितृ श्राद्ध पर्व का विशेष महत्व है। इस दौरान पितृगण पृथ्वी पर आकर अपने स्नेहीजनों द्वारा दी गई श्रृद्धांजलि तथा कव्य ग्रहण करते हैं। इसी को दृष्टिगत रख अपने सामाजिक दायित्व निर्वहन की श्रृंखला में श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा कोरोना महामारी से दिवंगत समाजजनों का सामूहिक श्राद्ध कर उनकी मुक्ति की कामना की गई।

उज्जैन। कोरोना महामारी ने कई समामजनों को असामयिक रूप से काल का ग्रास बना दिया। स्थिति यह रही कि इस दौरान चल रहे लॉकडाउन तथा कोरोना के भय के कारण कोरोना से दिवंगतों के अधिकांश स्नेहीजन तो उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर उन्हें श्रृद्धांजलि तक नहीं दे पाए। इतना ही नहीं इनकी अंतिम संस्कार पद्धति भी शास्त्र सम्मत ढंग से कोरोना प्रोटोकाल के कारण ठीक से पूर्ण नहीं हो पायी। ऐसे दिवंगत समाजजनों की आत्मशांति के लिये श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा निःस्वार्थ भाव से सर्वपितृ अमावस्या पर सामूहिक पितृ तर्पण का आयोजन कर उनकी मुक्ति की कामना की गई।

ऐसे हुआ भव्य आयोजन

शास्त्र मान्यता के अनुसार पितरों की आत्मशांति के लिये गया तीर्थ तथा भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में पितृ तर्पण करने का विधान है। वर्तमान में कोरोना महामारी सहित अन्य कई कारणों से कोरोना से दिवंगत कई समाजजनों के परिजन इन स्थानों पर जाकर पितृ तर्पण नहीं कर पा रहे थे। अतः श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इन सभी दिवंगत स्वजनों के सामूहिक तर्पण का संकल्प लिया। इसके लिये ईमेल पर इच्छुक समाजजनों से उनके दिवंगत परिजनों की जानकारी मांगी गई। इसमें लगभग 100 से अधिक दिवंगतों की जानकारी प्राप्त हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार उज्जैन स्थित सिद्धवट पर तीर्थ पुरोहित पं. सोहन भट्ट के मार्गदर्शन में सभी का सामुहिक तर्पण-श्राद्ध कर्म किया गया। इसमें प्रतिनिधि के रूप में श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती, उनके सुपुत्र ऋषि बाहेती तथा समाजसेवी नवल माहेश्वरी आदि ने यजमान की भूमिका निभाकर समस्त दिवंगतों की मुक्ति की कामना की।

With Best Compliments From...

Shyam Sundar Rathi

VIDYA

VIDYA WIRES PVT. LTD.

(An ISO 9001 : 2008 Certified Company)

excellence through experience

- Enamelled Copper Wires & Strips
- Paper Insulated Copper Conductors
(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)
- MPCC - Connection Cables
- Bare Copper Wires
- Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
- Copper Tapes / PVC Copper Tapes

DEALERS ENQUIRIES SOLICITED

Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

जाजू बने तीसरी बार अध्यक्ष

भीलवाड़ा। भीलवाडा जिला चाय विक्रेता संस्थान की बैठक पी.एफ.सी. गार्डन आजादनगर में सम्पन्न हुई। शुरूआत में अंकित लखोटिया ने पिछले कार्यकाल का ब्यौरा सदन में पेश किया व दिनेश राठी ने आय-व्यय का हिसाब पेश किया। चुनाव अधिकारी नवरतन सूरिया एवं विनोद कोठारी ने बताया कि बैठक में संस्थान के चुनाव पर चर्चा की गई जिसमें अध्यक्ष पद के लिये दो उम्मीदवार महेश कुमार जाजू एवं महावीर प्रसाद मून्दड़ा थे। महेश कुमार जाजू को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। सचिव अंकित लखोटिया ने बताया कि कार्यक्रम में सागरमल राठी, धनराज जाजू, चन्द्रकिशोर लखोटिया आदि उपस्थित थे।

संस्था की पुस्तिका विमोचित

कोलकाता। माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र द्वारा ''हमारी संस्था हमारा गौरव'', पुस्तिका का विमोचन कार्यक्रम एवं संपर्क गोष्ठी का आयोजन किया गया। माहेश्वरी सभा के सभापति पुरुषोत्तम दास मिमानी ने कहा कि माहेश्वरी सभा के अंतर्गत सभी संस्थाएं संगठित होकर समाज के कल्याण के लिए कार्य करें तभी समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र के सभापति डीके मोहता ने कहा कि माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र युवा पीढ़ी का उद्योग की तरफ रुझान करने के लिए कार्यरत है। इसमें इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। केंद्र के मंत्री अरुण कुमार सोनी ने पुस्तिका के विषय में बताते हुए कहा कि यह पुस्तिका केंद्र के 78 वर्ष की स्वर्णिम यात्रा के इतिहास का संकलन है जो नई पीढ़ी को प्रोत्साहन देगी। कार्यक्रम का शुभारंभ महेश दम्मानी ने किया। केंद्र के विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण PPT द्वारा आदित्य बिनानी केंद्र के कोष मंत्री एवं सदस्य प्रतिनिधि पंचानन भट्टड़ ने दिया।

प्रार्थना और विश्वास दोनों अदृश्य हैं परंतु दोनों में इतनी ताकत है कि नामुमकिन को मुमकिन बना देता है।

मरूधरा संस्थान के चुनाव सम्पन्न

भीलवाडा। मरूधरा माहेश्वरी संस्थान के चुनाव गत 17 अक्टूबर (रविवार) को भारत विकास परिषद भवन शास्त्रीनगर में सम्पन्न हुए। संस्थान के सचिव दिनेश राठी ने बताया कि चुनाव अधिकारी शान्ति प्रकाश मोहता व रामकुमार बाहेती के सानिध्य में सम्पन्न हुए। चुनाव में सर्वसम्मति से राजेन्द्र प्रसाद दम्माणी अध्यक्ष चुने गये। इस अवसर पर अधिकांश सदस्य उपस्थित थे।

चुनरी चढ़ा 200 कन्याओं को कराया भोजन

भीलवाड़ा। शास्त्री नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा नवरात्री के पावन पर्व पर 200 कन्याओं को भोजन करवाने के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि मां दुर्गा को चुनरी भी ओढ़ाई गई। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। सुरेश माहेश्वरी, अजय लोहिया, नगर माहेश्वरी सभा के सहसचिव मनोज नुवाल,शास्त्रीनगर माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष सुनील बियानी, शिव नुवाल, पीयूष डाड, सुशील मारोठिया, शास्त्री नगर माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता झंवर ने दीप प्रज्जवलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। माहेश्वरी युवा संगठन के मंत्री अखिलेश लाहोटी ने बताया कि युवा संगठन के संरक्षक हरिनारायण मोदानी, राजेंद्र तोषनीवाल, पवन अजमेरा, मनोज जागेटिया, दीपक मैलाना, अनिल काबरा आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

खरी-खरी

जला लिये हैं दीप,
लगाईं हमने बड़ी कतारें

जगमग है हर देहरी-आँगन,
शुभ्र स्वच्छ दीवारें

किन्तु व्यर्थ है यह परम्परा,
दीप ज्योति निष्फल है

यदि अन्तस् का तमस त्याग,
हम नेह नहीं उजियारें.

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

रक्तदान व वैक्सीनेशन शिविर सम्पन्न

जोधपुर (राज.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व श्री माहेश्वरी समाज जोधपुर के पूर्व मंत्री एवं नगर सुधार न्यास के पूर्व अध्यक्ष स्व. दामोदर लाल बंग की प्रथम पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान एवं वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन श्री माहेश्वरी जन उपयोगी भवन रातानाडा में हुआ। इसमें शहर के प्रमुख संत, राजनीतिक, व्यापारिक एवं समाज के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम प्रभारी देवेश बंग ने बताया कि इस अवसर पर आशीर्वाददाता के रूप में सेनाचार्य श्री अचलानंदगिरी जी महाराज व रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद जी महाराज उपस्थित थे। अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गेहलोत, महापौर दक्षिण वनिता सेठ, महापौर उत्तर कुंति देवड़ा, उपमहापौर किशन लड्ढा, पूर्व सांसद नारायण पंचारिया, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रसनचंद मेहता, पूर्व राज्यमंत्री मेघराज लोहिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अचलानंद गिरिजी महाराज ने दामोदर लाल बंग की मूर्ति पर पुष्पहार चढ़ाकर किया। इस कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का श्री माहेश्वरी समाज के मंत्री नंदकिशोर शाह, उपमंत्री हरि गोपाल राठी, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश पुंगलिया, पूर्व पार्षद ओमप्रकाश राठी, राजेश लोहिया, अशोक बंग, गोपाल बंग आदि ने माला, साफा पहनाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। इस शिविर में 207 लोगों ने रक्तदान किया। समस्त रक्तदाताओं को बंग परिवार ने स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। शिविर को सफल बनाने में माहेश्वरी युवा मंच, माहेश्वरी युवा संगठन, माहेश्वरी महिला संगठन, भारतीय जनता पार्टी विश्व हिन्दू परिषद, बाबा रामदेव समाज सेवा संस्थान, रोयल रूपेचा ग्रुप सेवा समिति अनेक सामाजिक सगठनों का सहयोग रहा। अनिल जाजू, कमलमूंदड़ा, रामस्वरूप भूतड़ा, चंद्रशेखर मंत्री, संदीप काबरा, अशोक बंग, सोहनलाल जैसलमेरिया, पंकज राठी, बालकिशन फॉफलिया, अरूण बंग, रमेश बंग भीकमचंद बूब, जेएम बूब, आदि ने सहयोग दिया।

महिला मंडल ने रचाया डांडिया रास

बागौर। शादीय नवरात्रा में गरबा रास की धूम के बाद शरद पूर्णिमा पर भी माहेश्वरी महिला मण्डल की महिलाओं ने गरबा रास रचाया। माहेश्वरी महिला मण्डल सचिव रिंकू सेठिया ने बताया कि माहेश्वरी महिला मण्डल की अध्यक्षा ऋतुबाला सोनी व उपाध्यक्ष ज्योति देवपुरा के नेतृत्व में शरद पूर्णिमा के अवसर पर बड़े चारभुजा मंदिर के पीछे स्थित माहेश्वरी समाज के नोहरे में गरबा रास का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेता माहिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया। सचिव श्रीमती सेठिया ने बताया कि कार्यक्रम के तहत राजस्थानी व गुजराती वेशभूषा प्रतियोगिता भी रखी गई। इसी तरह गरबा कपल का आयोजन किया गया। इसी तरह बालिकाओं ने भी डांडिया रास किया। सभी विजेता महिलाओं को अध्यक्षा व उपाध्यक्षा द्वारा पारितोषिक प्रदान किए गए। इस अवसर पर अल्का सेठिया, रतन झंवर, पूजा सोमाणी, शोभना लड्ढा, लक्ष्मी सेठिया, मोनिका सेठिया, आदि कई महिलाओं ने सक्रिय योगदान दिया।

गाँधी ने लिखी ''रामायण फॉर किड्स''

कैलिफोर्निया। नागपुर की मूल निवासी रिता गाँधी विवाह के पश्चात कैलिफोर्निया (यूएसए) में निवासरत हैं। वे चाहती थीं कि उनकी नन्हीं सी बेटी अनन्या पर भारतीय संस्कार तथा परम्पराओं का प्रभाव रहे। अतः जब अनन्या 6 माह की थी तभी से उन्होंने गायत्री मंत्र, हनुमान चालीसा, गणेश स्त्रोत्रम, शिव, कृष्ण, हनुमान की कथा आदि सुनाना प्रारम्भ कर दिया। गत दिनों रिता ने अपनी कम्पनी ''ब्लूमिंग टॉट्स'' प्रारम्भ की। इसी के साथ उन्होंने न सिर्फ अपनी बेटी अपितु समस्त बच्चों में धार्मिक संस्कार देने के लिये अपनी प्रथम पुस्तक ''रामायण फॉर किड्स'' लिखी जिसका प्रकाशन गत जून 2021 में हुआ। यह पुस्तक 3-7 वर्ष तक के बच्चों में अत्यंत मनोरंजक ढंग से धार्मिक संस्कार उत्पन्न करती है।

इतनी मेहरबानी मेरे ईश्वर बनाए रखना, जो रास्ता सही हो उसी पर चलाए रखना, न दिल दुखे किसी का मेरे शब्दों से। इतना रहम तू मेरे भगवान मुझ पर बनाए रखना।

प्रोफेशनल प्रतिभाओं का किया सम्मान

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा एवं माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम द्वारा 150 से ज्यादा माहेश्वरी प्रोफेशनल कोर्सेस में श्रेष्ठ रहे विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इन्होंने पिछले 1 वर्ष में अपने अपने शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की है। इनमें से 35 विद्यार्थियों ने सीए पास किया, 3 विद्यार्थियों ने आईआईटी परीक्षा उत्तीर्ण की, 3 ने डॉक्टरेट डिग्री हासिल की, 6 ने कॉस्ट अकाउंटेंट की फाइनल परीक्षा पास की। इन सभी के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में ऑल इंडिया रैंक हासिल करने वाले 6 विद्यार्थी भी शामिल थे। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि अहमदाबाद के मोटिवेशनल स्पीकर मौलीन पांड्या ने कार्यक्रम का संचालन किया। माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष प्रदीप लाठी ने बताया कि 'स्टेशनरी बैंक' प्रकल्प में जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्टेशनरी दी जाती है और अभी तक 500 से अधिक बच्चों को इस प्रकल्प द्वारा सहायता दी जा चुकी है। माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम के सचिव सुनील सोमानी ने 'एमपीएफ सेतु' प्रकल्प के बारे में बताया कि इस प्रकल्प के तहत माहेश्वरी समाज के सभी सम्मानीय जनों से आर्थिक मदद लेकर जरूरतमंद एवं मेधावी बच्चों तक पहुंचाते हैं। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोठारी, मंत्री सत्येंद्र बिरला, जिला अध्यक्ष दीनदयाल मारु, मंत्री देवेंद्र सोमानी, श्रीनगर सभा अध्यक्ष केदार जागेटिया, मंत्री अतुल राठी व महिला मंडल द्वारा बच्चों को मेडल पहनाकर तथा पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में एमपीएफ से सीए सोनेश काबरा, सीएमए अभिषेक बाहेती, ललित पोरवाल, सुधा चांडक, कनुप्रिया बंग, निशा सोनी, साक्षी आगाल, मधु देवपुरा, कपिल बाहेती सहित 50 से ज्यादा सदस्यों ने बच्चों का मनोबल बढ़ाया।

शहीद पुलिस अधिकारियों के परिवार सम्मानित

कोलकाता। गुलाबबाग माहेश्वरी सभा के सदस्य चांदरतन बजाज द्वारा कोरोना काल में कोलकाता सेंट्रेल में सेवा कार्य करते शहीद हुए 17 पुलिस अधिकारियों के परिवार को सहयोग राशि के साथ पूरे परिवार को वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राज कुमार लढ़ा ने बताया कि इस कार्य में उनके पुत्र विष्णु बजाज एवं उनके मित्रो द्वारा प्रयत्न फाउंडेशन के तहत सहयोग राशि कोलकाता सेंट्रल के शहीद पुलिस अधिकारी परिवार को भेंट की गई। इस अवसर पर दमयन्ती सेन आईपीएस-स्पेशल कमिश्नर कोलकाता पुलिस, रूपेश सिंह आईपीएस-डीसी सेंट्रल कोलकाता आदि गणमान्य जन मौजूद थे।

टी एसोसियेशन की कार्यकारिणी गठित

अंकित लखोटिया	दिनेश राठी

भीलवाड़ा। भीलवाडा जिला चाय विक्रेता संस्थान भीलवाड़ा के अध्यक्ष महेश जाजू ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया। इसमें संरक्षक पद पर नवरतनमल झाबक, मनोहरलाल सूरिया, सम्पत सोमानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मुकेश पलोड़, उपाध्यक्ष पद पर नवरतनमल सूरिया, विनोद कोठारी, सचिव पद पर अंकित लखोटिया, कोषाध्यक्ष पद पर दिनेश राठी, सहसचिव पद पर मनीष झंवर, श्रीकांत अग्रवाल, संगठन मंत्री पद पर राजकुमार अग्रवाल, प्रचार मंत्री पद पर अभिषेक सोमानी को मनोनीत किया गया।

भजन गायन में योगदान देतीं बियानी

डूंगरगढ़। माहेश्वरी समाज के सदस्य अलीपुरद्वार निवासी स्वर्गीय श्री सीताराम झँवर के बेटी एवम डूंगरगढ़ निवासी मोहनलाल बियानी की बहू ममता बियानी कलकत्ता में भजन गायन में योगदान दे रही है। श्रीमती बियानी ने बताया कि वह कुछ सालों से भजन गा रही हैं। उनके बहुत से भजन आ चुके है। बहुत जल्दी "खाटू वाला भजन आयेगा"। उन्होंने बताया उन्हें पति कमल किशोर बियानी का इसमें भरपूर सहयोग मिलता है।

संसार में सबसे ताकतवर व्यक्ति वो ही है, जो धोखा खाने के बाद लोगों की भलाई करना नहीं छोड़ता।

'डिस्पोजेबल थाली' सेवा ने दिलाया सम्मान

नागपुर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन एवं माहेश्वरी युवा संगठन सीताबर्डी के संयुक्त तत्वावधान में कोरोना काल में आयोजित सेवा ''डिस्पोजेबल थाली'' हेतु कोरोना योद्धा टीम का भारतीय जनता पार्टी द्वारा गत 20 सितम्बर को माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी में सत्कार किया गया। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम नागपुर सीताबर्डी वार्ड प्रभाग 15 के अध्यक्ष कृष्णा पांडे ने बताया कि कोविड में संगठन द्वारा खुद की सुरक्षा के ध्यान के साथ-साथ लोगों को भी सुरक्षित रूप से थाली सेवा प्रदान की गई। कोरोना से ग्रसित परिवार को पौष्टिक व शुद्ध भोजन डिस्पोजेबल थाली जिसमें 4 चपाती (फुल्के), 2 सब्जी, दाल, चावल, नमकीन, अचार, पापड़ चुरी, पानी बोटल, बटर मिल्क पाउच यह सभी न्यूनतम दर के साथ हॉस्पिटल/निवास स्थान पर पार्सल सेवा रूप से उपलब्ध करायी। इस अवसर पर विशेष रुप से नागपुर महानगरपालिका के महापौर दयाशंकर तिवारी, विधायक गिरीश व्यास, पूर्व विधायक सुधाकरराव देशमुख, जयप्रकाश गुप्ता, नगर सेवक निशांत गांधी, किशोर गोयदनी, संजय नबीरा आदि उपस्थित थे। योगेश सावल, गोपाल भूतड़ा, सचिन बजाज, अक्षय बिसानी, नीरज गांधी, सीए सुमित लाहोटी, सुमित चांडक, आशीष लाहोटी, सीए अखिल राठी, श्रीकांत पनपालिया, अभिजीत टावरी, विवेक सारडा, शैलेष मोकाती, हेमंत राठी एवं हिमांशु चांडक आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रचार मंत्री रवींद्र चांडक ने दी।

दिल्ली प्रादेशिक महिला संगठन की सेवा गतिविधि

दिल्ली। दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति ने गंगा बचाओ पर्यावरण सुधारो के अंतर्गत चंदा काबरा की बॉयो एन्जाईम पर वर्कशाप आयोजित की। महिला अधिकार-उत्थान-सुरक्षा समिति द्वारा बिजनेस के शुभारम्भ पर आधारित कार्यक्रम ''स्वनियोजिता'' का आयोजन किया गया। बाल विकास एवं किशोरी विकास समिति, पर्व व संस्कृति समिति तथा आध्यात्म व स्वाध्याय समिति अंतर्गत भगवान गणेश के अष्ट रूपों पर आधारित सामाजिक संदेशों से भरा हुआ आयोजन अष्ट विनायक भी सफल रहा। पर्व व संस्कृति समिति की राष्ट्रीय प्रभारी पुष्पा सोमानी ने तीज त्योहारों का चौमासे के अंतर्गत आयोजन करवाया। विघ्नहर्ता, एकदंत, गजानन, लंबोदरा, महोदरा, वक्रतुंड रूपों पर

आधारित भगवान गणेश की सुंदर, मनभावन, सश्लोक झांकी प्रतियोगिता आदि आयोजित की गई। इसमें दादी, नानी से सुनी हुई कहानियां भी जीवंत हो उठी। आध्यात्म एवं स्वास्थ्य समिति की राष्ट्रीय प्रभारी अरूणा लड्ढा ने आयोजन की समीक्षा की।

पारिवारिक स्वास्थ्य पर हुआ चिंतन

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान मे दक्षिणांचल में स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति द्वारा उपाध्यक्षा कलावती जाजू एवं संयुक्त मंत्री पुष्पा तोष्णीवाल के मार्गदर्शन में दक्षिणांचल सह प्रभारी डॉ. पूर्णिमा सारडा के प्रयासों से गत 16सितंबर 2021 को वर्चुअल 'पारिवारिक स्वास्थ्य विचार मंच' वेबीनार संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इंदिरा मूंदड़ा ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी एवं महामंत्री मंजू बांगड़ की गरिमामय उपस्थिति एवं पारिवारिक समन्वय तथा स्वास्थ्य की महत्ता पर उद्बोधन अत्यंत प्रेरणास्पद रहा। प्रमुख वक्ता डॉ. ज्योति माहेश्वरी थीं। प्रदेश समिति संयोजिकाओं के प्रयासों से दक्षिणांचल के पांचों प्रदेशों द्वारा पारिवारिक सामंजस्य की अलग-अलग विधाओं में चिंतन - मननीय नाटिकाएं प्रस्तुति की गई। राष्ट्रीय प्रभारी शिखा भदादा द्वारा परिणाम घोषणा एवं सटीक समीक्षा प्रस्तुति की गई।

पूर्व न्यायाधीश सोमानी बने आरसीए लोकपाल

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश दिनेश चंद्र सोमानी को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का नया लोकपाल नियुक्त किया गया है। आरसीए की साधारण सभा की बैठक में जस्टिस श्री सोमानी को नियुक्त करने का निर्णय किया गया। श्री सोमानी वर्ष 2016 में राजस्थान हाईकोर्ट में जज बने थे और 2018 में रिटायर हुए थे। उल्लेखनीय है कि श्री सोमानी भीलवाड़ा में कई वर्षों तक वरिष्ठ अधिवक्ता रहे हैं।

रोजगार मेले का किया आयोजन

इंदौर। पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी प्रादेशिक सभा, प्रादेशिक महिला व प्रादेशिक युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार मेले का आयोजन जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में किया गया। गत 3 अक्टूबर को आयोजित इस जॉब फेयर में 400 से भी अधिक युवक व युवतियों ने अपने रजिस्ट्रेशन कराए व तत्काल इंटरव्यू भी दिए। करीब 30 कंपनी के एचआर मैनेजर उपस्थित थे। 10 से अधिक को तत्काल जॉब भी मिली, 100 से अधिक युवाओं का कंपनियों से वार्तालाप प्रगति पर है, 50 से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। इस कार्यक्रम में सांसद शंकर लालावानी, महापौर, मालिनी लक्ष्मणसिंह गोड़ व कई सम्मानीय राजनेता तथा समाज के ओमप्रकाश भराणी, अजय झंवर, वीना सोमानी भरत तोतला, राहुल मानधन्या, अंकित अजमेरा, सपन माहेश्वरी, यश तोतला, अशोक डागा पवन लड्ढा, घनश्याम झंवर, मुकेश असावा, केदार हेड़ा, आदि समाजजन उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा पर शरद चंद्रिका का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी महिला परिषद् द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर चांद पर आधारित गीतों व नृत्यों का विशेष कार्यक्रम ''शरद चन्द्रिका'' आयोजित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए परिषद् की अध्यक्ष रजनी माहेश्वरी ने बताया कि मुख्य अतिथि प्रेमलता-सुरेन्द्र कुमार डाड, अतिथि इन्दु-ज्योतिकुमार माहेश्वरी तथा माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एमपीएस जवाहर नगर स्थित तक्षशिला सभागार में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में चाँद पर आधारित अनेक फिल्मी गीतें की प्रस्तुति ने सभागार में उपस्थित दर्शकों को आनंदित कर दिया। कार्यक्रम संयोजक सविता राठी ने जानकारी दी कि महिला परिषद की सदस्याओं ने स्वागत नृत्य, शरद पूर्णिमा रास व 'आजा सनम मधुर चाँदनी में हम', 'म्हारे हिवड़े में जागी रोशनी' जैसे गीतों पर नयनाभिराम नृत्य प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

काल्या ने किया विदर्भ भ्रमण

नागपुर। युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने विदर्भ प्रदेश का भ्रमण किया जिसमें वे नागपुर जिला माहेश्वरी सभा की बैठक में भी उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने माहेश्वरी युवक संघ नागपुर द्वारा लगातार कई वर्षों से चलाए जा रहे दवाखाने का निरीक्षण किया व नागपुर में राजस्थानी महिला प्रगति मंडल द्वारा संचालित संस्था के कार्यों का भी अवलोकन किया। समस्त भ्रमण कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मध्यांचल) शरद सोनी भी साथ में उपस्थित रहे। वाशिम जिला के 175 जरूरतमंद परिवारों को महासभा के ट्रस्टो व दानदाताओं के सहयोग से फ्री मेडिक्लेम पॉलिसी वितरित की गई। अकोला जिला में भी जरूरतमंद परिवारों को जल्द फ्री मेडिक्लेम पॉलिसी वितरित की जाएगी तथा अकोला में जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध कराने के लिए आवास योजना क्रियान्वित करने हेतु आश्वस्त किया। वे तलेगाँव (वर्धा), तिवासा (अमरावती), मणिरत्नम रिसॉर्ट अमरावती, कारंजा (वाशीम), मंगरूलीपर (वाशीम), वाशिम में आयोजित कार्यक्रम में, अकोला जिला माहेश्वरी युवा संगठन, माहेश्वरी प्रगति मंडल, अकोला द्वारा आयोजित नवरत्न सत्कार समारोह में उपस्थित हुए तथा युवा साथियों समाज बंधुओं एवं मातृशक्ति से रूबरू हुए। युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय पदाधिकारी स्व. श्री शशिकांत जाजू के निवासस्थान पर भी गए। श्री काल्या ने युवा संगठन की भावी योजनाओं से सभी को अवगत कराया। इस दौरान श्री काल्या ने श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के इंदौर में क्रिकेट खेल कूद के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा इंदौर और देवास के साथियों से चर्चा भी की।

With Best Compliments From

Narendra Kothari

Umesh Pharma

Pharmaceutical Distributor

57, Satidham Market, Amravati
Mo. : 99222-29522, Ph. : 2574713

जेईई एडवांस में अहमदाबाद के नमन सोनी ने देश में पाई छठी रैंक

अहमदाबाद। जेईई एडवांस 2021 में अहमदाबाद के नमन सोनी ने देश में छठी रैंक पाई है। नमन ने गुजरात व राजस्थान दोनों का मान बढ़ाया है। नमन मूलरूप से राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के बागौर गांव के मूल निवासी तथा समाज सदस्य निर्मल सोनी के सुपुत्र हैं। पिता निर्मल सोनी स्क्रैप मेटल (कबाड़) के व्यापारी है। मां मधू सोनी निजी ट्यूशन कराती हैं। परिवारों में उनकी एक छोटी बहन पलक है। नमन को 9वीं से ही कोडिंग में रुचि थी। बायोलॉजी पसंद नहीं थी, इसलिए उन्होंने इंजीनियरिंग क्षेत्र को चुना और जेईई की तैयारी शुरू की। नमन ने जेईई एडवांस में 360 में से 329 अंक पाकर देश में छठा स्थान पाया है। वे आईआईटी बॉम्बे जोन में पहले स्थान पर हैं तथा जेईई मेन्स में देश में 196 रैंक पाई थी। नमन बताते हैं कि उनकी तैयारी अच्छी थी और पेपर होने के बाद उन्हें टॉप 50 में आने की उम्मीद थी लेकिन जब रिजल्ट

आया तो उनका स्थान देश में 6टा था। वे काफी खुश हैं। देश के 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की करीब 16 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए 3 अक्टूबर को जेईई एडवांस 2021 की परीक्षा आयोजित की गई थी।

नियमित 7-8 घण्टे पढ़ाई

नमन बताते हैं कि उन्होंने नौवी कक्षा से ही आईआईटी प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। इसके लिए एक कोचिंग क्लास भी ज्वाइन की थी। नियमित 7-8 घंटे की पढ़ाई की। कोरोना महामारी के दौर में भी ऑनलाइन पढ़ाई जारी रही। कोरोना महामारी शुरू हुई तब तक उनका कोर्स पूरा हो गया था। सिर्फ रिवीजन जारी था। नमन का कहना है कि जल्दी तैयारी शुरू की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होंनें 10वीं कक्षा में 93 प्रतिशत और 12वीं कक्षा में 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे।

करनाणी का किया अभिनंदन

सरदारशहर। माहेश्वरीभवन (सरदारशहर) में गत 3 अक्टूबर 2021 को एक आमसभा में माहेश्वरी ट्रस्ट,सरदारशहर के चेयरमैन एवं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य राजकुमार करनाणी, कोलकता का भावभीना स्वागत व अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपचन्द बिहाणी द्वारा की गई। मंचस्थ प्रबंधक ट्रस्टी खेतुलाल डागा, कार्यकारिणी अध्यक्ष फूसराज करनाणी व मंत्री चम्पालाल मणिहार थे। चैयरमेन का परिचय चुरू जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री विकास लखोटिया द्वारा दिया गया।

लोहिया ने फहराया माउंट एवरेस्ट बेस कैम्प पर तिरंगा

गुलाबबाग (बिहार)। बगैर ट्रेनिंग के गुलाबबाग के झारखंड बिहार माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुमित लोहिया ने माउंट एवरेस्ट के बेस कैम्प पर तिरंगा लहराया। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैम्प तक चढ़ाई करना कोई आसान बात नहीं और बगैर ट्रेनिंग के ऐसे स्थान तक पहुंचना मुश्किल या कहें नामुमकिन सा लगता है। लेकिन गुलाबबाग के सुमित लोहिया ने इस मुश्किल टास्क को मुमकिन करते हुए बगैर किसी प्रशिक्षण के माउंट एवरेस्ट के 5364 मीटर ऊंचे बेस कैम्प पर तिरंगा लहरा कर इतिहास बना दिया।

अपर गुलाबबाग निवासी श्याम सुन्दर व सीता देवी लोहिया के सुपुत्र सुमित लोहिया ने गत 18 अक्टूबर 2021 को यह मुकाम हासिल किया। सुमित ने 10 अक्टूबर को नेपाल लाकुला से 5364 मीटर ऊंचे या कहें 18 हजार फीट ऊंचे माउंट एवरेस्ट बेस कैम्प तक पहुंचने का सफर शुरू किया और प्रथम प्रयास में अपने मुकाम को 7 दिनों में पूरा कर लिया। सुमित लाकुला से 2610 मीटर की ऊंचाई पर फाकडिंग पहुंचे, फाकडिंग से 3450 मीटर पर नामचे बाजार, जहां से एवरेस्ट शिखर के मनोरम दर्शन मिले। नामचे से तिंगबोचे, डिंगबोचे होते हुए लगभग 4910 मीटर की ऊंचाई पर लोबुचे पहुंचे। लोबुचे से गोराक्षेप होते हुए इस अविस्मरणीय कठिन यात्रा के अंतिम पड़ाव एवरेस्ट बेस कैम्प पर पहुँचे। सुमित ने प्रदेश मीडिया प्रभारी राज कुमार लढ़ा से खास बातचीत में बताया कि खेलखुद एवं ट्रैकिंग करने का शौक सदा से रहा है और एवरेस्ट बेस कैम्प तक जाने का पिछले कई सालो से जुनून था। मेरे इस जुनून में मेरे माता-पिता एवं

दोस्तो ने आत्मविश्वास भरा और इस रोमांचक और कठिन यात्रा का स्वप्न साकार हो पाया। यात्रा में मौसम के कई उतार चढ़ाव मिले और एवरेस्ट बेस कैम्प पर ठंड के साथ-साथ सुनहरे मौसम और जबरदस्त ठंडी हवाओं एवं माइनस 7 डिग्री ने रोमांच को दोगुना कर दिया। सुमित ने बताया कि आगे ओर अब 4830 मीटर उंचाई पर स्थित जोंगला, फिर कठिन पास चोला होते हुए 5360 ऊंचाई पर स्थित गोक्योरि तक पहुँचना है। उन्होंने बताया कि खुद पर भरोसा रख कर आगे बढ़ें तो कोई राह कठिन नहीं होती। मेरे साथ 6 लड़के मारवाड़ी समाज के ओर थे, जिसमें बिराटनगर नेपाल के नीलेश डागा भी थे।

युवा संगठन ने करवाया भ्रमण

अहमदाबाद। संगठन मंत्री विशाल लोहिया ने बताया कि कोरोना काल के काफी समय बाद अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन ने सदस्य परिवार के लिए साइंस सिटी पर्यटक स्थल दिखाने का आयोजन किया। इस आयोजन मे 500 लोगो ने हिस्सा लिया। आयोजन को सफल बनाने के लिए संगठन के अध्यक्ष कौशल एंव मंत्री नीरज ने अपनी टीम का आभार व्यक्त किया।

श्री माहेश्वरी संगठन व महिला परिषद की नई कार्यकारिणी गठित

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड (रजि.) ब्यावर के तत्वावधान में श्री माहेश्वरी सेवा संगठन तथा महिला परिषद की वर्ष 2021-23 की नई कार्यकारिणी का निर्वाचन निर्विरोध रूप से हुआ। मंत्री दिलीप जाजू ने बताया कि श्री माहेश्वरी सेवा संगठन में अध्यक्ष पद के लिए पुनीत टवानी व मंत्री पद के लिए श्रीकांत बिहाणी तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए अंकित हेड़ा का निर्वाचन हुआ। श्री माहेश्वरी महिला परिषद में अध्यक्ष पद के लिए मंजू काबरा, मंत्री पद के लिए नीतू राठी तथा कोषाध्यक्ष पद हेतु मोनिका धूत का निर्वाचन हुआ। दोनों संगठनों के कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ।

जिला सभा की बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा। जिला माहेश्वरी सभा ने समाज के इको सर्वे में मुख्य भागीदारी निभाई। उक्त जानकारी शाहपुरा संस्कार ग्लोबल एकेडमी स्कूल में जिला सभा की कार्यसमिति बैठक में सामने आयी। बैठक जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। देवकरण गग्गड पूर्व उपसभापति (पश्चिमांचल) महासभा, कैलाश कोठारी अध्यक्ष दक्षिणी राज. प्रा.मा. सभा, राधेश्याम सोमानी कार्य समिति सदस्य महासभा आदि ने बैठक का शुभारम्भ किया। बैठक में विषय वार टॉपिक पर सामाजिक क्षेत्रों में विस्तार से चर्चा की गई। नगर सभा भीलवाड़ा के अध्यक्ष केदार मल जागेटिया ने भीलवाड़ा नगर का तथा मांडलगढ़ तहसील सभा के अध्यक्ष रमेशचंद्र बसेर ने तहसील की प्रगति से अवगत कराया। बांगड़ मेडिकल वेलफेयर सोसाइटी व जाजु ट्रस्ट के मंत्री राधेश्याम सोमानी ने विधवा महिलाओं को दी जा रही मासिक सहायता व बांगड़ मेडिकल ट्रस्ट, जाजू ट्रस्ट, राजस्थान महेश सेवा निधि आदि ट्रस्टों की जानकारी दी। बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र के संयुक्त मंत्री जगदीश प्रसाद कोगटा ने भी ट्रस्टों से दी जा रही छात्रवृत्ति के संबंध मे विस्तार से जानकारी दी।

जलसा गरबा एवं डांडिया रास संपन्न

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन एवं क्रेजी क्लब द्वारा निजामाबाद जिले के स्थानीय राजस्थानी समाज के लिए चार दिवसीय जलसा गरबा एवं डांडिया रास का आयोजन 12 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक माहेश्वरी भवन में किया गया। इसके लिये निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत झंवर ने क्रेजी क्लब के सभी टीम मेंबर्स का भी आभार प्रकट किया। इस चार दिवसीय आयोजन मे हर दिन बेस्ट डांडिया एवं गरबा हेतु बच्चों, लडकों, लड़कियों, बेस्ट कपल, देवरानी जेठानी, भाई-बहन इत्यादि को चांदी के सिक्के उपहार स्वरूप दिए गए। इस कार्यक्रम में निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के उपाध्यक्ष अनुप मालू, मंत्री अनुराग भांगडिया, उपमंत्री राजगोपाल बंग, कोषाध्यक्ष अंकित सारडा, संगठन मंत्री अभिषेक जाजू, तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के कोषाध्यक्ष मधुसूदन मालू, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यकारणी सदस्य पवन मुंदड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष किशोर मालू, आकाश मोदानी आदि का योगदान रहा।

स्वास्थ्य चर्चा का किया आयोजन

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं नारायण मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, के संयुक्त तत्वावधान में गत 5 अक्टूबर को आर.ए.एस. क्लब, जयपुर के सभागार में एक स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन किया गया। जिला महिला संगठन की मंत्री सविता राठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में करीब 90 महिलाओं ने भाग लिया। सभी की बहुत सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी डॉक्टरों एवं कार्यक्रम समन्वयक प्रवीण बुडानिया का महिला संगठन की ओर से स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। जिला मंत्री सविता राठी ने अस्पताल के डॉक्टरों, अधिकारियों एवं उपस्थित महिलाओं के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के बाद नारायणा हास्पिटल की ओर से लंच रखा गया।

मानधनिया को कार्य गौरव सम्मान

सोलापुर (महा.)। श्री माहेश्वरी सांस्कृतिक भवन द्वारा गत 03 अक्टूबर को भूतपूर्व अध्यक्ष गणेशलाल एन. मानधनिया तथा पदाधिकारियों का कार्य गौरव पत्र भेंटकर सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि गणेशलाल एन. मानधनिया तथा सहयोगियों ने साल 1984 में समाज का भवन निर्माण का संकल्प लिया था। भवन निर्माण के कार्य में मथूरादास भूतड़ा, विश्वनाथ करवा, आनंदलाल बलदवा, रामकिशन राठी, विष्णूदास तापड़िया, जयनारायण भूतड़ा, बालकिशन बुराडीया, रामकिशन धुत, रामनिवास काबरा आदि का विशेष योगदान रहा। वर्ष 1984 में गणेशलाल एन. मानधनिया को संस्थापक अध्यक्ष के रूप में चुना गया। सन 1984 से सन 1998 तक अध्यक्ष का पदभार संभाला। इसके पश्चात सन् 2020 तक आप मानस सदस्य कार्यकारिणी के रूप में कार्यरत रहे।

शरद पूर्णिमा उत्सव सम्पन्न

रायपुर। स्थानीय महेश महिला संगठन रायपुर द्वारा गत 17 अक्टूबर रविवार को महेश भूमि में शरद पूर्णिमा उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया मनाया गया। महारास की मनमोहक, अलौकिक प्रस्तुति नृत्य नाटिका द्वारा दी गई। अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के छत्तीसगढ माहेश्वरी सभा के पदाधिकारी मौजूद थे। महेश महिला संगठन अध्यक्षा पूजा करवा व सचिव पिंकी झवर ने इस उत्सव की पूरी जानकारी दी। इस अलौकिक प्रस्तुति का निर्देशन, संयोजिका दिव्या राठी (अध्यात्म समिति) द्वारा किया गया। सभी के सहयोग और अथक मेहनत के लिए अंत में संयोजिका ने विशेष आभार व्यक्त किया।

चुनरी मनोरथ का किया आयोजन

खामगांव। माहेश्वरी महिला मंडल खामगांव जिला बुलढाणा द्वारा मथुरा मे चूंदड़ी मनोरथ उत्सव गत 4 सितम्बर को 64 महिलाओं सहित हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अध्यक्ष दिशा पनपालिया, सचिव अलका भूतडा तथा सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों के अथक परिश्रम से यह उत्सव मनाया गया।

यूपीएससी में 18 वीं रैंक हांसिल करने वाली राधिका का सम्मान

मैं जहां भी रहूंगी महिलाओं की मदद तथा गरीबों को शिक्षा देने का काम पूरी ईमानदारी से करूंगीः राधिका गुप्ता

इंदौर। मैं आपको विश्वास दिलाने आई हूं कि यदि मैंने किया है, तो आप भी कर सकते हैं। मैं जहां भी रहूंगी महिलाओं की मदद तथा गरीबों को शिक्षा देने का काम पूरी ईमानदारी से करूंगी। समाजजनों से वादा करती हूं कि आपकी समस्या के लिए मेरे द्वार हमेशा खुले रहेंगे और जो मुझसे बन पड़ेगा जरूर करूंगी।

यह बात अलीराजपुर जैसे आदिवासी कस्बे की रहने वाली तथा यूपीएससी से आईएएस में चयनित 18 वीं रैंक हांसिल होने वाली राधिका गुप्ता ने माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा किये गए आत्मीय सम्मान के उत्तर में कही। उन्होंने नवलखा स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में कैरियर में अपना स्थान बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें असफलता से घबराना नहीं चाहिए। असफलता से सीखना जरूरी है। मैं भी असफल हुई लेकिन मैंने हार नहीं मानी, जिसका नतीजा सामने है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव एवं आयुक्त वाणिज्य कर राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन के दो लक्ष्य होना चाहिए। हमें किसी का जीवन बचाने का प्रयास करना चाहिए, दूसरा किसी का जीवन बनाने का प्रयास करना चाहिए। माहेश्वरी समाज एक समृद्ध समाज है। हमें चाहिए कि वे अपने समाज की ऐसी प्रतिभाओं का चयन करे जो पैसे के कारण उच्च शिक्षा से वंचित हैं, उन्हें पढ़ाए एवं हर तरह की मदद करें। अध्यक्ष मुकेश असावा ने बताया कि समाज की प्रतिभा विशेष उपलब्धि प्राप्त कर देश मे नाम रोशन करती है तो माहेश्वरी समाज को गर्व की अनुभूति होती है। आज के कार्यक्रम से प्रेरणा लेकर युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे और उनको शिक्षा में लगने वाली सभी प्रकार की जरूरतों के लिए योजना का क्रियान्वन करेंगे, शिक्षा के लिए अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा द्वारा संचालित योजनावो का लाभ सभी को दिलवाऐंगे।

इस असाधारण उपलब्धि के लिए मुख्य अतिथि राघवेन्द्र सिंह, संस्था अध्यक्ष मुकेश असावा ने अभिनन्दन पत्र देकर राधिका का सम्मान किया। सुशीला काबरा, किरण लखोटिया, नीलिमा असावा, सुमन सारड़ा ने राधिका को शाल भेंट की। इस अवसर पर पश्चिमांचल सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश भरानी एवं महामंत्री अजय झंवर ने राधिका को स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रारम्भ में अदिति भूतड़ा एवं अदिति अटल ने राधिका से कई जिज्ञासा पूर्ण प्रश्न किये जिसके उत्तर राधिका ने बहुत ही सरलता से दिए। प्रारम्भ में भगवान महेश की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। स्वागत भाषण अध्यक्ष मुकेश असावा ने दिया। अभिन्दन पत्र का वाचन दीपक भूतड़ा ने किया। राधिका का जीवन परिचय किरण लखोटिया ने दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन केदार हेड़ा ने किया। इस अवसर पर रामेश्वरलाल असावा, अश्विन लखोटिया,गोपाल लाहोटी, संजय चांडक, सत्यनारायण बाहेती, कमल भुराड़िया, जगदीश डागा, संजय बिड़ला, रामस्वरूप मूंदड़ा, भरत सारड़ा, सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

With Best Compliments From

Highly Effective against COVID-19 Virus.

VALUE IN EACH DROP

PETERS PRINCE PHENYLE

Disinfectants Best By Test

Available at all leading stores and shops

Other Disinfectants of high grade & quality also available on our website on COD

Order online : www.nathpeters.com

USE REGULARLY TO KEEP YOURSELF AND YOUR SURROUNDINGS HYGENIC

An ISO 9001:2015 Certified Company

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA

PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299

CIN NO. U24110TG1992PLC014256 E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com

For Distributorship Enquiries Please Contact Mr. Raju on Cell No. 09701343335

झंडा गीत का किया सामूहिक गान

नागपुर। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य एवं आजादी के महानायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस और झंडा गीत के रचयिता श्री श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' की 125 वीं जयंती के अवसर पर नागपुर महानगर पालिका, खादी ग्रामोद्योग, खासदार सांस्कृतिक क्रीडा महोत्सव समिति, जिला विधि सेवा प्राधिकरण नागपुर एवं माहेश्वरी युवा संगठन, सीताबर्डी द्वारा झंडा गीत 'विजय विश्व तिरंगा प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा' का सामूहिक गायन कार्यक्रम 'जीरो माइल' चौक पर गत 17 अक्टूबर सुबह 11:00 बजे आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेष रुप से नागपुर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी अभिजीत देशमुख, राजेन्द्र राठी, योगेश सावल, संजयजी नबीरा, सचिन बजाज, गोपाल भूतड़ा, आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर बाल कलाकार हेमांश राठी (भगत सिंह), अयांश राठी (भगत सिंह), नक्ष राठी (नेताजी सुभाषचंद्र बोस) निशा गाँधी (भारत माता) आदि बनकर अपने आजादी के महानायकों का स्मरण किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उमा राठी, डॉ.निधि राठी, रानी राठी,पूजा गोदानी,चारु डागा, कनक राठी, हिमांशु चांडक, हेमंत राठी, शैलेश मोकाती, रविंद्र चांडक, निमिष बिसानी, अक्षय बिसानी, गौरव साबू यश गोदानी, हेमंत चांडक, रितेश राठी, विनय डागा आदि का सहयोग रहा।

संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन से सम्बद्ध क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-4 द्वारा गत 9 अक्टूबर को वैष्णों देवी मंदिर, मालवीय नगर, जयपुर में संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन रखा गया। क्षेत्रीय महिला संगठन की मंत्री सुलभा सारडा के अनुसार कोरोना प्रकोप अवधि के बाद क्षेत्रीय संगठन का यह प्रथम आयोजन था जिसमें क्षेत्रीय संगठन जोन-4 की सदस्याओं के साथ जिला महिला संगठन एवं अन्य क्षेत्रीय महिला संगठनों तथा माहेश्वरी महिला परिषद के पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में नाश्ता एवं प्रसाद वितरण भी हुआ। क्षेत्रीय महिला संगठन जोन-4 की अध्यक्षा श्रीमती उमा अजमेरा के अनुसार जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उमा सोमानी एवं अन्य पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

महेश धाम गौ शाला में गौ सेवा

उज्जैन। ज़िला माहेश्वरी महिला संगठन की जिलाध्यक्ष राधा असावा के सौजन्य से कार्तिक माह में महेश धाम गौशाला उज्जैन में गौमाता के लिए चारा, गुड़ एवं थूली की सेवा का संकल्प पूर्ण किया गया। आप शारीरिक अस्वस्थता के चलते नहीं आ सकीं। गौशाला में इस नेक कार्य में पश्चिमी मध्य प्रदेश मंत्री उषा सोड़ानी, उज्जैन ज़िला कोषाध्यक्ष दीपाली सोमानी, ज़िला संगठन मंत्री मनीषा राठी, महिला सशक्तिकरण ज़िला सह संयोजिका संगीता भूतड़ा एवं संगीता सोमानी आदि उपस्थित रहीं। साथ ही महेश धाम गौशाला के मुख्य संयोजक एवं माहेश्वरी सभा उज्जैन के अध्यक्ष भूपेन्द्र भूतड़ा एवं वरिष्ठ सदस्य अजय मूँदड़ा आदि विशेष रूप से सम्मिलित हुए।

महेश क्रेडिट सोसायटी की बैठक सम्पन्न

बून्दी। महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के संचालक मण्डल सदस्यों की बैठक गत दिवस सोसायटी कार्यालय में सम्पन्न हुईं। बैठक की अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी ने की। बैठक में सोसायटी के कार्यों की समीक्षा करते हुए भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित संचालक मण्डल सदस्यों को सहकारी विभाग द्वारा मिलने वाले दिशा-निर्देशो से अवगत कराया। अध्यक्षता करते हुए संजय लाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा गठित नया सहकारिता मंत्रालय 'सहकार से समृद्धि' का सशक्त माध्यम बनेगा। बैठक में उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता, कोषाध्यक्ष सोहन बाहेती, निदेशक मनीष मंत्री व श्याम बिहारी लड्ढा, विशेष आमंत्रित सदस्य रमेश माहेश्वरी व नरेश लाठी ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वर मंडोवरा ने किया व आभार सचिव नारायण मंडोवरा ने ज्ञापित किया।

अजीब दुनिया का दस्तूर है,
दौलत चाहे कितनी भी बेईमानी से घर आए
पर उसकी पहरेदारी के लिये
सबको ईमानदार शख्स ही चाहिये।

सीए फाउंडेशन में हर्षवर्धन अव्वल

नांदेड़। समाज के प्रतिभावान छात्र हर्षवर्धन जाजू ने सीए फाउंडेशन में रिकॉर्ड 361 अंक प्राप्त किये। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सीए फाउंडेशन में भारत में प्रथम आए छात्र को भी 361 अंक मिले थे। अतः यह कोरोना काल और ऑनलाइन बैच में एक उत्कृष्ट परिणाम है। हर्षवर्धन आईसीएआई कॉमर्स क्विज 2020 में भारत में 21वां और महाराष्ट्र में प्रथम तथा इससे पूर्व आईसीएआई कॉमर्स विजार्ड टैलेंट सर्च परीक्षा में भी भारत में 12वाँ स्थान प्राप्त किया था। वे नांदेड़ जिले में 10वीं सीबीएसई बोर्ड में भी प्रथम रहे। हर्षवर्धन जाजू स्नेहल और सीए संजय जाजू के बेटे और लीला-सीताराम जाजू के पौत्र हैं।

अंकिता लाहोटी सीएस उत्तीर्ण

वरंगल। अंकिता लाहोटी सुपुत्री गोपीकिशन-संतोष लाहोटी (तेलंगाना आन्ध्रप्रदेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष) ने सीएस (कंपनी सेक्रेटरी) की परीक्षा उतीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पार्थ को ए-1 ग्रेड

दुर्ग (छत्तीसगढ़)। समाज सदस्य दीपक तथा मंगला भूतड़ा के सुपुत्र पार्थ ने सीबीएसई (12वीं) एसएससी परीक्षा सभी विषयों में ए-1 ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने कुल 96% अंक प्राप्त किये।

आकाश जेईई एडवांस में चयनित

हुरड़ा (भीलवाड़ा) समाज प्रतिभा आकाश माहेश्वरी सुपौत्र श्री लादुराम-रामेश्वरी देवी नुवाल तथा सुपुत्र राजेश-ममता नुवाल ने जेईई एडवांस परीक्षा राष्ट्र स्तर पर 1961 वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

नीरज सीएस उत्तीर्ण

वरंगल। नीरज लाहोटी सुपुत्र श्रीनिवास लाहोटी ने सीएस (कंपनी सेक्रेटरी) की परीक्षा उतीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कनक बांगड़ बने सीए

सुसनेर। नगर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व पार्षद सुनील बांगड़ के पुत्र कनक बांगड़ ने सीएस की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शीतल बनी सीएस

विदिशा। समाज की प्रतिभा शीतल माहेश्वरी सुपुत्री नंदकिशोर माहेश्वरी ने सीएस की। अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की इसमें उन्होंने कुल 177 अंक प्राप्त किये।

With Best Compliments From

Sacchindanand L. Malani

Kelkar Wadi
Murtizapur - 444107
Phone : 07256-243513
Mobile : 9422162213 / 8600047213
email : office.slmalani@gmail.com

SPECIALITY IN ASPHALTING OF ROADS & EARTHEN DAMS

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

वर्तमान दौर में लक्ष्मी का अर्थ सिर्फ धन सम्पदा ही बनकर रह गया है। यही कारण है कि इसी की प्राप्ति के लिये सभी प्रयास किये जाते हैं। जबकि हकीकत देखें तो इसका अर्थ अत्यंत व्यापक है और महालक्ष्मी का स्वरूप अत्यंत पवित्र-पावन, सिर्फ धन - दौलत तक सीमित नहीं।

वास्तव में क्या हैं महालक्ष्मी

हमारे प्राचीन ऋषियों का प्रत्येक कार्य तप, ध्यान इत्यादि का उद्देश्य हमेशा शुभ एवं आध्यात्मिक समृद्धि के लिए होता था। तब लक्ष्मी का अर्थ जीवन के चार आयामों धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष के समन्वय से जीवन को परमतत्व के मार्ग पर ले जाना था। हमारी सबसे प्राचीन पुस्तक ऋग्वेद में भी लक्ष्मी देवी का उल्लेख आता है परंतु वहां लक्ष्मी का अर्थ धन की देवी नहीं, सौभाग्य एवं धर्म की देवी है, जो मानवीय लक्ष्य की ओर किया हुआ इशारा है। धन की उपयोगिता सीमित है। इस संसार में आप धन से सबकुछ नहीं प्राप्त कर सकते। न धन से आप माता-पिता खरीद सकते हैं, न प्रेम, न ज्ञान। ऐसा बहुत कुछ है जो धन से नहीं खरीदा जा सकता। परंतु सौभाग्य से आप जो चाहें वो प्राप्त कर सकते हैं। अथर्ववेद में भी लक्ष्मी को शुभता, सौभाग्य, संपत्ति, समृद्धि, सफलता एवं सुख का समन्वय बताया गया है। पुराणों में लक्ष्मी के आठ प्रकार बताए गए हैं जिन्हें 'अष्ट-लक्ष्मी' के नाम से संबोधित किया गया है। ये हैं आदिलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, धैर्यलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, संतानलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी एवं धनलक्ष्मी।

सिर्फ सद्लक्ष्मी ही हैं महालक्ष्मी

लक्ष्मी की उत्पत्ति समुद्र मंथन के समय मानी गई है। विभिन्न देवताओं की भिन्न-भिन्न शक्तियों का मूल स्त्रोत भी माता लक्ष्मी ही हैं। पुराणों कें अनुसार माता लक्ष्मी ने अग्निदेव को अन्न का वरदान दिया, वरुण देव को विशाल साम्राज्य का, सरस्वती को पोषण का, इंद्र को बल का, बृहस्पति को पांडित्य का इत्यादि-इत्यादि। इससे सिद्ध होता है कि माता लक्ष्मी की कृपा जिस पर भी हो जाए उसे नाना प्रकार के ऐश्वर्य, सुख, साधन, वैभव की प्राप्ति होती है। माता लक्ष्मी के हाथ में कमल है। शास्त्रों में कमल को ज्ञान, आत्म एवं परमात्म साक्षात्कार एवं मुक्ति का प्रतीक माना गया है। हमारा लक्ष्य जल-कमलवत् रहने की शिक्षा देना है। इसका अर्थ है कि समस्त ऐश्वर्य के बीच रहते हुए भी जीव को निर्लिप्त रखना। माता के दोनों ओर दो गज शक्ति का प्रतीक हैं। माता लक्ष्मी का वाहन उल्लू है जो अंधेरे में भली-भांति देखने में सक्षम है। इसका अर्थ है कि जब चहुंओर दुःख का अंधकार छाया हो तो माता की कृपा से हमारी दृष्टि सम्यक रहती है एवं हम अपना मार्ग सरलता से ढूंढ सकते हैं। माता लक्ष्मी के हाथ से हमेशा धनवर्षा होती रहती है जो इस बात की सूचक है कि हमें केवल धन का संग्रह ही नहीं करना है अपितु उसे वास्तविक सत्य-धर्म कार्य के लिए खर्च कर धर्मार्थ के मार्ग को सार्थक भी करना है।

लक्ष्मी की प्रसन्नता के लिये जरूरी नारी सम्मान

माता लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को पति रूप में वरण किया है जो सर्वश्रेष्ठ हैं। लक्ष्मीजी विष्णुप्रिया हैं। माता सदा विष्णुजी के चरणों में रहती हैं। यह इस बात का द्योतक है कि धन आदि ऐश्वर्य सदा उत्तम पुरूषों के पास ही टिकता है जो विष्णु भगवान के गुण अपनाते हैं अर्थात सिर्फ लक्ष्मीजी की पूजा आराधना से लक्ष्मी नहीं आती। अधम पुरुष जो विष्णुजी के आचरण के विपरीत व्यवहार करते है उनको लक्ष्मीजी की प्राप्ति नहीं होती और यदि संयोगवश प्राप्ति हो भी जाए तो लक्ष्मीजी वहां हमेशा के लिए टिकती नहीं है। कलियुग में लक्ष्मी का वास नारी में कहा गया है। अतः कन्या के जन्म पर कहा जाता है कि लक्ष्मी जी पधारी हैं। विद्वानों का ये भी कहना है कि यदि हम कन्या के अवतरण पर निराश हो जाते हैं तो लक्ष्मी उल्टे पांव लौट जाती है। जिस घर में नारी का आदर होता है, वहां माता लक्ष्मी की विशेष कृपा होती है एवं जहां नारी का अनादर होता है, वहां से लक्ष्मी का पलायन हो जाता है। माता लक्ष्मी की कृपादृष्टि हेतु समस्त नारी जाति का सम्मान करना अत्यावश्यक है। चूंकि माता लक्ष्मी समस्त प्रकार के ऐश्वर्य की प्रदात्री हैं इसलिए माता लक्ष्मी को केवल धन की देवी मानने की भूल न करें।

गृहलक्ष्मी को भी रखें प्रसन्न

यदि आप चाहते हैं कि दीपावली पर माता महालक्ष्मी को इस तरह प्रसन्न करें जिससे सुख समृद्धि की आपके परिवार पर वर्षा हो, तो शास्त्रोक्त पूजा के साथ कुछ उपाय भी जरूरी हैं। इसमें सबसे प्रथम है, गृहलक्ष्मी की प्रसन्नता। याद रखें शास्त्र वचन है, ''यस्य नार्यस्तु पूज्यंते'' अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ लक्ष्मी का वास होता है। वास्तव में देखा जाऐ तो यहाँ इस वचन का सम्बंध सुखी दाम्पत्य से भी है। आपका दाम्पत्य जीवन स्नेहिल, सुगंधित और पुष्पित हो, इसके लिए आवश्यक है कि आप अपनों से आत्मीय रूप से जुड़ें,एक-दूसरे को अपनाएं। दाम्पत्य जीवन में उस लड़की को मान-सम्मान दें, जो सब कुछ छोड़कर आपके घर-संसार में आकर मिल गई है। आप उसका जितना आदर करेंगे, वह आपके प्रति, आपके परिवार के प्रति उतनी ही अधिक समर्पित होगी। समर्पण का यह भाव ही दाम्पत्य जीवन का आदर्श है।

www.rathi.com

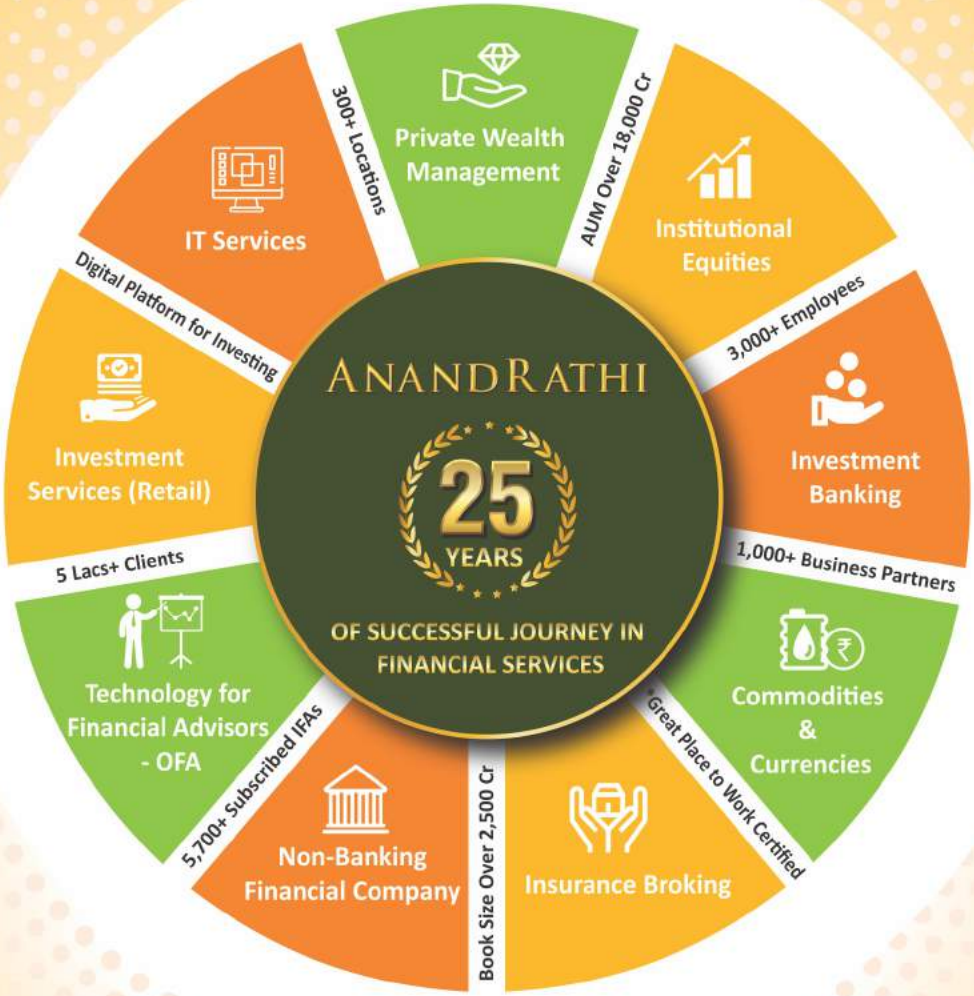

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E). Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

दीपावली महापर्व पर हम प्रतिवर्ष माता महालक्ष्मी की पूजन करते हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न मन में उत्पन्न हो ही जाता है कि आखिर महालक्ष्मी हैं कौन तथा उनकी उत्पत्ति कैसे हुई? युवा पीढ़ी की इसी जिज्ञासा का शास्त्रोक्त समाधान कर रहा है, यह आलेख।

कैसे हुई महालक्ष्मी की उत्पत्ति

विष्णु पुराण अनुसार समुद्र से उत्पन्न

लक्ष्मी को धन और ऐश्वर्य की देवी माना गया है। देवता के रूप में लक्ष्मी का उल्लेख प्राचीन वैदिक साहित्य में नहीं है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन से 14 रत्न निकले थे। लक्ष्मी इनमें से एक हैं, जिन्हें विष्णु ने ग्रहण किया था। लक्ष्मी कभी विष्णु से अलग नहीं होती। उन्होंने स्वयं विष्णु को पति के रूप में चुना है और वे सदा उनके वक्षस्थल में निवास करती हैं। प्राचीन साहित्य में उल्लेख है कि विष्णु भक्तों को धन प्रदान करते हैं। धन और ऐश्वर्य से संबंध होने के कारण विष्णु समृद्धि की देवी लक्ष्मी के स्वामी हैं। 'विष्णु पुराण' में कहा गया है कि लक्ष्मी समृद्धि है और उसको धारण करने वाले विष्णु श्रीपति हैं। लक्ष्मी स्वर्ण वर्ण की, चार भुजाओं वाली, सदैव युवती एवं सुंदरी के रूप में विद्यमान रहने वाली देवी हैं जो धन की अधिष्ठात्री हैं। समृद्धि, संपत्ति, आयु, आरोग्य, परिवार, धन-धान्य की विपुलता आदि की प्राप्ति के लिए लक्ष्मी की उपासना की जाती है। पुराणों में वर्णित लक्ष्मी कमल पर विराजित हैं, उनके हाथों में कमल है और वे कमल-पुष्पों की माला धारण करती हैं। ऐरावती हाथी द्वारा स्वर्णपात्र में लाए गये जल से वे स्नान करती हैं। महाभारत में लक्ष्मी के 'विष्णुपत्नी लक्ष्मी' एवं 'राजलक्ष्मी' दो रूप बताये गये हैं। इनमें से पहली लक्ष्मी हमेशा विष्णु के साथ रहती हैं और राजलक्ष्मी पराक्रमी व्यक्ति का वरण करती है।

ब्रह्मवैवर्तपुराण के अनुसार श्रीकृष्ण से पुनः उत्पन्न

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' में लक्ष्मी की पुनः उत्पत्ति की रोचक कथा प्राप्त होती है। सृष्टि के पहले रासमण्डल में स्थित श्रीकृष्ण के वाम भाग से लक्ष्मी की उत्पत्ति हुई थी। ये देवी परम सुन्दरी थी। उत्पन्न होते ही ये दो रूपों में विभक्त हो गयी। ये दोनों मूर्तियाँ अवस्था, आकार, भूषण, सुंदरता आदि सभी बातों में समान थी। एक मूर्ति का नाम लक्ष्मी और दूसरी मूर्ति का नाम राधा है। लक्ष्मी वाम (बायें) भाग से उत्पन्न हुई और राधिका दक्षिण (दाहिने) भाग से। इन दोनों मूर्तियों की अभिलाषा पूर्ण करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपने दाहिने भाग से दो भुजाओं वाला तथा बायें भाग से चार भुजा वाला रूप धारण किया। द्विभुज मूर्ति राधाकांत और चतुर्भुज मूर्ति नारायण हुई। श्रीकृष्ण तो राधा तथा गोप-गोपियों को लेकर वहीं रह गये और नारायण लक्ष्मी को लेकर वैकुंठ चले गए। वैकुंठ में ही उनका रहना निश्चित हुआ। लक्ष्मी नारायण को अपने वश में करके सब रमणियों में प्रधान हो गईं। ये देवी लक्ष्मी, स्वर्ग में इंद्र की संपत्तिरूपिणी स्वर्ग लक्ष्मी के रूप में, पाताल और मृत्युलोक के राजाओं के पास राजलक्ष्मी के रूप में, गृहस्थों के यहां गृहलक्ष्मी के रूप में, चंद्र, सूर्य, अलंकार, रत्न, फल, महारानी, अन्न, वस्त्र, देव प्रतिमा, मंगल, घर, हीरा, चंदन, नूतन, मेघ आदि में शोभारूप से विद्यमान रहती हैं। देवी लक्ष्मी ही शोभा का आधार है। जिस स्थान पर लक्ष्मी नहीं है, वह स्थान शोभा शून्य है।

कहां रहता है लक्ष्मी का निवास

लक्ष्मी-प्रह्लाद संवाद : असुरराज प्रह्लाद ने एक ब्राह्मण को अपना शील प्रदान किया, जिस कारण क्रमानुसार उसका तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवम अंत में उसकी लक्ष्मी उसे छोड़कर चले गए। तत्पश्चात लक्ष्मी ने प्रह्लाद को साक्षात दर्शन देकर कहा 'तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवं शील आदि मानवीय गुणों में मेरा निवास रहता है, जिनमें शील अथवा चरित्र मुझे सबसे अधिक प्रिय है। इसी कारण श्रेष्ठ आचरण करने वाले पुरुष के यहां रहना मैं सबसे अधिक पसंद करती हूं।'

लक्ष्मी-इंद्र संवाद : असुरराज प्रह्लाद के समान उसके पौत्र बलि का भी लक्ष्मी ने त्याग किया। बलि का त्याग करने के कारणों को इंद्र से बताते हुए लक्ष्मी ने कहा, 'पृथ्वी के सारे निवास स्थानों में से भूमि (वित्त), जल (तीर्थादि), अग्नि (यज्ञादि) एवं विद्या (ज्ञान) ये चार स्थान मुझे अत्यधिक प्रिय हैं।' लक्ष्मी ने आगे कहा, 'चोरी, वासना, अपवित्रता एवं अशांति से मैं अत्यधिक घृणा करती हूं, जिनके कारण क्रमशः भूमि, जल, अग्नि एवं विद्या में स्थित प्रिय निवास स्थानों का मैं त्याग कर देती हूं।'' दैत्यराज बलि ने उच्छिष्ट भक्षण (जूठा भोजन) किया एवं देव ब्राह्मणों का विरोध किया, इसी कारण अत्यंत प्रिय होते हुए भी लक्ष्मी ने उसका त्याग कर दिया।

लक्ष्मी-रुक्मिणी संवाद : लक्ष्मी के निवास स्थान से संबंधित एक प्रश्न युधिष्ठिर ने भीष्म से पूछा था जिसका जवाब देते समय भीष्म ने लक्ष्मी एवं रुक्मिणी के बीच हुए एक संवाद की जानकारी युधिष्ठिर को दी। इस कथा के अनुसार लक्ष्मी ने रुक्मिणी से कहा था-'सृष्टि के सारे लोगों में प्रगल्भ, भाषण कुशल, दक्ष, निरलस (जो आलसी न हो), आस्तिक, अक्रोधन, कृतज्ञ, जितेंद्रिय, वृद्धजनों की सेवा करने वाले (वृद्ध सेवक), सत्यनिष्ठ, शांत स्वभाव वाले एवं सदाचारी लोग मुझे सबसे अधिक प्रिय हैं, जिनके यहां रहना मुझे प्रिय है। निर्लज्ज, कलहप्रिय, निंद्राप्रिय, मलिन, अशांत एवं असावधान लोगों का मैं अतीव तिरस्कार करती हूं, जिस कारण ऐसे लोगों का मैं त्याग करती हूं। महाभारत में अन्यत्र प्राप्त उल्लेख के अनुसार गायों एवं गोबर में भी लक्ष्मी का निवास रहता है।

लक्ष्मी प्राप्ति मंत्र

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' के अनुसार अपना राज्य छिन जाने पर इन्द्र ने लक्ष्मी की उपासना कर अपनी खोई हुई सम्पत्ति प्राप्त की थी। ब्रह्मा ने इन्द्र को लक्ष्मी की उपासना के लिए द्वादशाक्षर मन्त्र का उपदेश दिया था। वह मन्त्र है '' श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा''। इस मन्त्र का विधिपूर्वक दस लाख जप करने से इन्द्र को सिद्धि प्राप्त हुई। कुबेर ने भी इस मन्त्र द्वारा समस्त ऐश्वर्य को प्राप्त किया।

With Best Compliments From

Sunil Sarda

Sumit Sarda

SRI BALAJI BEARING CORPN.

(House of all types of Bearings & Manufacturer of Conveyer Rollers)

Stockist for - **ZKL, URB, China**
Distributor for - **China Pillow Block**
Manufactures of - **Conveyer Rollers, Guide Rollers, Cone Rollers, Rubber Rollers,Drum Pully**

5-5-79/G-1G, Sri Srinivasa Commercial Complex,
Ranjigunj, Secunderabad (Telangana)-03
Ph. : (O) 040-66381050, M. 9849010850, 9985516422
E-mail : sunilmsarda@gmail.com

With Best Compliments From

Shrikant G. Mantri

Member : The Stock Exchange, Bombay

Surya Mahal, 2nd Floor, Nagindas Master Road Fort, Mumbai - 400 001, India
Tel. : 022-2261 8384, 2267 2526 6635 9003, 6635 9004, Fax : 022-22623198
E-mail : sgmantri@usa.net, Resi. : 022-26184126, 2614 4933, Mo. : 98210-26725

समाजसेवा के क्षेत्र में गंगटोक (सिक्किम) निवासी रमेश पेड़ीवाल एक ऐसा नाम है, जिनकी सेवा भावना के सामने सिक्किम राज्य में सरकार भी नतमस्तक है। इतना ही नही विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग जैसे संगठन ने भी उनकी इसी सेवा का ''मानद डॉक्टरेट'' की उपाधि से सम्मान किया है।

सेवा के लिये ''डॉक्टरेट'' से सम्मानित

रमेश पेड़ीवाल

कानूनी शिक्षा मं स्वर्ण पदक हासिल के रूप में भी अपनी पहचान रखने वाले गंगटोक (सिक्किम) निवासी 64 वर्षीय रमेश पेड़ीवाल की पहचान एक ऐसे समाजसेवी के रूप में भी है, जो गत 50 वर्षों से अपनी किशोरावस्था से ही समाजसेवा के क्षेत्र में किसी न किसी रूप में अपनी सेवा देते ही रहे हैं। जैसे-जैसे आयु की परिपक्वावस्था की ओर पहुँचते गये, वैसे-वैसे उनकी यह सेवा भावना वृहद वटवृक्ष के रूप में विस्तारित होती ही चली गई। वर्तमान में कई स्वयं सेवी संस्थाऐं तो उनकी सेवा से पोषित हो रही है, साथ ही उनकी इन सेवाओं का सम्मान करते हुए सिक्किम सरकार अभी तक कई सरकारी समितियों में उन्हें पदेन सदस्य भी मनोनीत कर चुकी है।

कई सेवा संस्थाओं की स्थापना

स्व. श्री महावीर प्रसाद पेड़ीवाल के यहाँ जन्मे 64 वर्षीय रमेश पेड़ीवाल ने अपनी स्कूल की शिक्षा गंगटोक सरकारी स्कूल में पूरी करने के बाद कॉलेज की पढ़ाई दिल्ली से पूर्ण की। इसमें वकालत की पढ़ाई में स्वर्ण पदक प्राप्त कर सामाजिक जीवन की शुरुआत गंगटोक में सामाजिक कार्यो से की तथा अपनी लगन व मेहनत से अपने नाम को शिखर पर पहुंचाया। इस क्षेत्र में आज से 50 साल पूर्व गंगटोक में सार्वजनिक संस्था की स्थापना के साथ समाज सेवा का आगाज कर बहुत सी सामाजिक संस्थाओं में अपनी रुचि दिखाते हुए निरन्तर आगे बढ़ते ही गए। इनमें प्रमुख राज्य सिविल डिफेंस, सिक्किम चैंबर ऑफ कॉमर्स, सिक्किम दिव्यांग सहायता समिति, सिक्किम केमिस्ट एसोसिएशन, राज्य फार्मेसी कॉउन्सिल, सिक्किम माहेश्वरी सभा, सिक्किम कल्याण आश्रम, सिक्किम ब्लाइंड एसोसिएशन, श्री हनुमान टोक मंदिर समिति, एकल श्री हरि सत्संग समिति आदि शामिल हैं। कोरोना काल के कठिन समय मे इन्होंने राज्य के कोने कोने तक जरूरत मुताबिक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का एक बड़ा काम किया था एवं साथी हाथ बढ़ाना जैसी संस्थाओं से जुड़कर देशव्यापी सहायतार्थ कार्य किया था, जिसके कारण इनको कोरोना योद्धा से सम्मानित भी किया गया था।

सेवा ने दिलाया सम्मान

गत वर्षो में श्री पेड़ीवाल को उनकी सेवा भावना के लिये सिविल डिफेंस मैडल, मारवाड़ी नागरिक सम्मान, एलुमनी सम्मान, कोरोना योद्धा सम्मान सहित अनेको संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय दवा विक्रेता संघ, अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा, अखिल भारतीय श्री हरि सत्संग समिति एवं भारतीय संस्कृति सभा में भी उच्च कोटि का योगदान दिया है। सिक्किम दिव्यांग सहायता समिति में करीब 22 साल तक दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास, शिक्षण पूर्वाधार, आत्मनिर्भर जीवन के सूत्र आदि पर इनका बहुत ही सराहनीय प्रयास रहा। अभी हाल ही में इन्होंने अपने पैतृक गांव अनूपशहर (राजस्थान) में एक शानदार धर्मशाला का निर्माण कराया है और गत फरवरी माह में ही गांव को समर्पित किया है, जिससे गांव की वर्षो की जरूरत पूर्ण हुई हैं। इसके साथ ही गांव की गौशाला के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री पेड़ीवाल एक सफल वक्ता, कवि, लेखक, व्यापारी होते हुए धार्मिक, सामाजिक, व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रुचि के धनी भी हैं। उनकी दीर्घकालीन सेवाओं का सम्मान करते हुए विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग द्वारा श्री पेड़ीवाल को ''मानद डॉक्टरेट'' की उपाधि से भी अलंकृत किया गया है।

श्री
जावंधिया

"विश्वास ही जहाँ परम्परा है"

RICE

SUGAR

POWER

ETHANOL

SANITIZER

REAL ESTATE

GRAIN TRADING

जावंधिया समूह

ठैनी बनखेड़ी जिला होशंगाबाद मप्र

Email id - ramdevsugar@gmail.com

Phone no. - 07576-228788
07576-228888

भीलवाड़ा। समाज सदस्य विवेक सोनी ने 'मीनाक्षी सुंदरेश्वर' फिल्म के जरिए निर्देशक के रूप में बड़े परदे पर कदम रखा है। उनके निर्देशन में निर्मित फिल्म का प्रदर्शन ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर पांच नवम्बर को होगा।

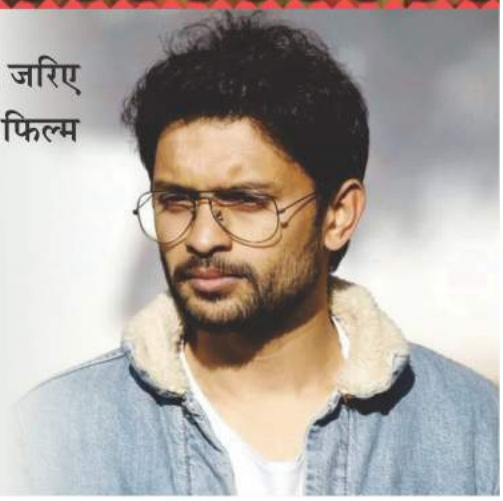

इंजीनियर से फिल्म निर्देशक बने

विवेक सोनी

शास्त्रीनगर निवासी कृष्ण गोपाली-उर्मिला सोनी के पुत्र विवेक बताते हैं कि फिल्म 'मीनाक्षी सुंदरेश्वर' से पहले वह सहायक निर्देशक के रूप में मल्टी स्टार युक्त फिल्म 'हंसी तो फंसी' 'उड़ता पंजाब' 'सोन चिड़िया' व 'रात अकेली में' काम कर चुके हैं। यह फिल्में बॉक्स आफिस पर भी छाई रहीं।

पिताजी ने भी दिया प्रोत्साहन

वह बताते हैं कि इंजीनियरिंग करने के बाद मानस बदला और बालीवुड की दुनिया में कुछ लिखने की ठानी, सोचा था पापा टोकेंगे, लेकिन उन्होंने प्रोत्साहित ही किया और कहा कि यदि मन में कुछ करने की ठानी है तो इसे सफलता तक ले जाओ। इसके बाद उन्होंने बालीवुड में अपने आप को स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत की।

बावड़ी ने भी दी ''प्रसिद्धि''

34 वर्षीय विवेक बताते हैं उनकी लघु फिल्म बावड़ी भी काफी चर्चित रही। फिल्म की पटकथा राजस्थान में पेयजल संकट और उससे प्रेम कहानी पर आधारित थी। यह फिल्म कई देशों में पसंद की गई है। यह अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए भी नामांकित हुई है। वह बताते हैं कि मम्मी-पापा व बहन प्रिया कलंतरी का उन्हें कदम पर सहयोग मिला। पांच नवम्बर को प्रदर्शित होने वाली मीनाक्षी सुंदरेश्वर से उन्हें बड़ी उम्मीद है।

With Best Compliments From

Chandra Group of Hotels

Jodhpur, Rajasthan

200+ ROOMS * 15+ BANQUETS * 2 OPEN LAWNS

Chandra Inn
A Unit of Boob Hotels & Resorts Pvt Ltd.
Panch Batti Circle, Airport Road
chandrainn@yahoo.co.in
www.chandrainn.com
Ph. 0291-2670583, 2670584

Chandra Imperial
A Unit of Boob Hotels & Resorts Pvt Ltd.
Opp. Polo Ground, Sardar Club Scheme
chandraimperial@gmail.com
www.chandraimperial.com
Ph. 0291-2671686, 2671687

Chandra Grand
Nagaur Highway Main Road, 9 Mile
chandragrand.jdh@gmail.com
www.chandragrand.com
Ph. 0291-2577666, 2577583

LEISURE | MEETINGS | CONFERENCES | WEDDINGS | EVENTS

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

एकाकीपन या एकरस जीवन दोनों के मायने लगभग एक ही हैं, खुशियों से विहीन जिंदगी। बदलते दौर और उस पर भी कोरोना की मार ने जीवन से हँसी छीन ली है।

मधु ललित बाहेती, कोटा

हँसी कहाँ खो गई?

जीवन एकरस हो चला है। एकरस माने एक-रस। हमारे भोजन में छः रस होते हैं, जिसमें मीठा खट्टा खारा तीखा चरपरा कषाय सभी शामिल हैं। लेकिन कोई हमें कहे कि केवल मीठा ही खाना है या केवल तीखा ही खाना है तो बहुत मुश्किल हो जाती है। लेकिन इन दिनों यही हो रहा है, केवल घर पर रहो। सारी दुनिया से कटकर रह गये हैं, लिखने को भी नया कुछ मिलता नहीं। जिन परिवारों में कई लोग रहते हैं, वे भी घर से बाहर निकलने को तड़प रहे होते हैं तो हम जैसे दो-जन तो एकरसता से पगला गये हैं। कहा तो यही जाता है कि मनुष्य सामाजिक प्राणी है लेकिन समाज ही दिखायी नहीं दे रहा है। समाज तो दूर की बात है परिवार ही पहरे में बन्द हो गये हैं। किसी से भी बात करो तो वह कहता मिलेगा कि मानसिक तनाव का अनुभव कर रहे हैं और अवसाद में जी रहे हैं।

कल तक हम समाज से पीछा छुड़ा रहे थे, आज समाज को तलाश रहे हैं। जिस घर में भी झांक लो, वहीं अकेले पति-पत्नी मिल जाएंगे। बच्चे या तो पढ़ने चले गये हैं या फिर नौकरी के कारण दूसरे शहर या विदेश चले गये हैं। प्रत्येक व्यक्ति अकेलेपन का शिकार हो रहा है। कोई कह रहा है कि रात को नींद की गोली खानी पड़ रही है, कोई कह रहा है कि बस रोना ही रोना आता है। जहाँ परिवारों में रोज कलह होती थी, लोग अलग घर बसाने को बेताब रहते थे, आज वही लोग, लोगों के लिये तरस रहे हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या है लेकिन आदमी-आदमी के लिये तरस रहा है। त्योहार आते हैं लेकिन बदरंग से चले जाते हैं। एकरसता के कारण लोग बीमार हो रहे हैं, कोई उच्च ब्लड प्रेशर से तो कोई डाइबिटीज से। कैंसर भी खूब सुनाई दे रहे हैं। सारे ही रोग हार्मोन्स के कारण हो रहे हैं। कहीं आक्रोश नहीं निकल रहा है तो कहीं प्रेम...। बातें तो मन में घुटकर रह गयी हैं और जीभ तालू में चिपक गयी है। जिन परिवारों में वर्क फ्रॉम होम के कारण बच्चे घर पर हैं, वहाँ भी एकरसता बढ़ रही है। वहाँ से भी आवाज आ रही है कि ऑफिस कब जाओगे?

हो सकता है कि यह मेरा अनुभव हो, आपका नहीं हो। लेकिन कइयों का तो है। मन अंधेरों के बीच छिपता जा रहा है। हँसना तो जैसे भूल ही गये हैं। मुझे याद नहीं आ रहा है कि यह हँसी मेरे जीवन में कब आयी थी? वही मैं हूँ.. जिसे लोग पूछते थे कि आप इतना हँसती कैसे हैं? शायद सभी को लोग पूछ रहे हैं कि हँसी कहाँ गयी? हमारे पुराण कहते हैं कि पहले लोग संन्यास लेकर जंगल में चले जाते थे, जंगल मतलब प्रकृति के पास। वे प्रकृति से जुड़ जाते थे, लेकिन आज हम किसी से जुड़ नहीं पा रहे हैं, बस टूट रहे हैं। अकेलेपन की चाह नें हमें कितना लाचार बना दिया है, यह इस विपत्ति काल में समझ आने लगा है। यह बात भी गौर करने की है कि केवल उम्रदराज लोग एकरसता का अनुभव नहीं कर रहे हैं, यह समस्या सभी के जीवन में आ गयी है। जिस किसी की उम्र 50 को पार कर गयी है, वह एकाकी होता जा रहा है। यदि परिवार में भी है तो वह रस नहीं है। सब साथ रहकर, गप मारते हुए कोई नहीं दिखता।

पहले शाम होती थी, छत की डोली पर या बंगले की डोली पर बैठकर लोग आस पड़ोस से गप लगाते थे। घर वाले एक साथ उठते-बैठते थे। लेकिन अब वैसा कुछ नहीं है। मेरे पड़ोस में अनहोनी भी हो जाए तो पता नहीं लगता। सब बस सिमटकर रह गये हैं। दुनिया पर आया संकट कम हुआ है लेकिन डर जमा हुआ है। यही डर सभी के मन में पैर पसारकर बैठ गया है। इस डर ने सारे ही रस फीके कर दिये हैं। महामारी से तो हम बच गये हैं लेकिन इस डर से कैद हुए हम जैसे करोड़ों लोग एकरसता का शिकार हो गये हैं। पहले हर फोन कोरोना की खबर देता था और अब दूसरें रोगों की। कुछ तो करना होगा जीवन में, नहीं तो मानसिक अवसाद के रोगी बढ़ते ही जाएंगे। ढूंढनी होगी हँसी को, जो न जाने कहाँ खो गयी है।

With Best Compliments from

SHREE BALAJI OIL MILLS

Off. "Ganpati Prasas" Marwadi lane, Erandol Dist. jalgaon
Phone : 91+2588-44452, 44453, Fax : 91+2588-44055
Factory: Mahswad Road, Erandol. Dist. Jalgaon, 425109
Phone : Fact 91+2588-44451, 54, 55

दीप पर्व पर सभी समाज बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या

Govt. Contractor & Building Material Supply

Ph. : 0721-2660046
Mo. : 9822200631

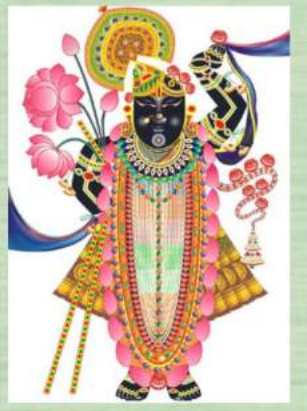

श्रीनाथ दाल मिल

A-35, Near Aanand Marbles, MIDC, Amravati
Ph. : 0721-2520013, 2520699

पियुष ओ. भैय्या
9822731007

अखिलेश अ.भैय्या
9823231276

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

पर्व पॉजिटिविटी का दीपावली

जेब टटोल कर प्लानिंग कीजिये, चार दोस्तों के साथ घर पर मस्ती कीजिये, पति पत्नी बच्चे मिल कर घर में ही खेल का माहौल बनाइये। थियेटर और पापकॉर्न न सही, टीवी चलाओ, अंधेरा कमरा करो, मूंगफली और ठंडा पानी भी मजा दे सकता है। जंगल में मंगल हो सकता है तो फांके संग ठहाके क्यों नहीं हो सकते?

आजकल मीडिया में एक विज्ञापन हर जगह दिख रहा है, ''अर्बन कंपनी- सफाई करायें दीवाली की।'' अर्थात दीवाली पर्व का नाम आते ही जो विचार दिलों-दिमाग में कौंधता है नये कपड़े, मिठाई, पटाखे, पूजा, पर इन सबसे पहले - 'सफाई'। घर हो, दुकान हो, ऑफिस हो, जो रोज साफ किये जाते हैं वो भी दीवाली पर विशेष सफाई द्वारा जम के चमकाये जाते हैं, छांटे जाते हैं, सजाये जाते हैं और मान्यता यह भी है कि ऐसा करने से लक्ष्मीजी प्रसन्न होती है और उस स्वच्छ घर में निवास करने आती हैं। लक्ष्मी अर्थात समृद्धि, संपन्नता, सफलता।

आप सभी ने की होगी हर साल दीवाली पर सफाई। क्या करते हैं, इसमें आप? रोज का कूढ़ा करकट तो आप रोज सुबह झाड़ के हटा ही देते हैं परंतु दीवाली की सफाई में जब दरवाजे, अलमारियां, पेटियां, फाइलें खोलते हैं तो आप खुद ही बहुत सारे सामान को अनावश्यक समझ फेंकने लगते हैं, जिसे और कोई नहीं आप ही घर लाये थे या किसी ने आपको दिया था, आपने रख लिया और अब आपको ही वह अनुपयोगी और बेकार ही नहीं लगता वह आपके लिये कचरा बन जाता है। दीवाली पर उसे घर से बाहर फेंक आप खुश हो जाते हैं, आपको घर हल्का-हल्का लगता है और फिर आपके पास इतनी जगह निकल जाती है कि आप कुछ नया, कुछ जरूरी और कुछ मनपसंद सामान ला सकते हैं।

भारतीय गृह विज्ञान में दीवाली पर वार्षिक सफाई बताई गई है। बरसात के बाद धूप की अहमियत दर्शाई गई है और मासिक, साप्ताहिक और दैनिक सफाई का भी अपना महत्व दर्शाया गया है।

घर की सफाई पूरी होने पर तन की सफाई हेतु ''रूप चौदस'' का प्रावधान है। भांति-भांति के तेल उबटन से तन को सुगंधित किया जाता रहा है। तन ही नहीं धन को भी धन तेरस के दिन बाहर निकाल, तिजोरी खाली कर पुनः साफ कर सजाकर धन रखा जाता है और उसमें बढ़ोत्तरी भी की जाती है। घर, तन, धन सबकी सफाई जरूरी है, तो मन की?

त्यौंहार का ही नहीं जीवन का उत्साह भी बहुत बढ़ जायेगा। जीवन सुंदर सज जायेगा, उबटन की महक सा महक जायेगा, खुशियों के पटाखे फूटने लगेंगे और आतिशबाजी से दिलो दिमाग रोशन हो जायेगा। यदि हम मन की सफाई करते रहें- दैनिक, साप्ताहिक, मासिक, वार्षिक।

दैनिक सफाई मन की

दांतों के ब्रश, और घर की झाड़ू की तरह दिल दिमाग पर भी फटका मारिये। आज का दिन कैसे सजाना है, समय का संयोजन कैसे करना है कि नियमित कार्य अर्थात घर, स्कूल, आफिस के अलावा मन को प्रफुल्लित करने के लिये आज नया क्या, दो-दो, पाँच-पाँच मिनिट की खुशियां और मस्ती कैसे निकलेगी। थकान में आराम और एकरूपता में रसिकता कैसे लाना है। सोच बदलते ही सफलता सहज गोद में आ बैठेगी।

हाँ, जैसे रात को बचे दूध, खाने पर नजर डालते हैं फाइलों की निपटा निपटी पर नजर डालते हैं और आप युवा, बच्चे बची हुई पॉकेटमनी पर नजर डालते हैं। वैसे ही दिन भर की खुशी और गम पर भी एक नजर दौड़ा लो। कल की प्लानिंग और बढ़िया होगी।

साप्ताहिक सफाई- मन की

सुबह और शाम रोज की खुशियां तो आप निकालने में लग ही गये हैं पर समय थोड़ा कम पड़ जाता है पर वीकएण्ड पर तो समय है न। हफ्ते भर की एकरूपता थोड़ी उदासीनता ला ही देती है, बैटरी डाउन हो गई है, तो काम कैसे चलेगा? सेल तो बदलने पड़ेंगे, या रीचार्ज करना पड़ेगा। तो बस निकल पड़िये सैर सपाटे को, जरूरी नहीं कि खूब पैसा खर्च करने से बैटरी फास्ट रीजार्च होती है।

जेब टटोल कर प्लानिंग कीजिये, चार दोस्तों के साथ घर पर मस्ती कीजिये, पति पत्नी बच्चे मिल कर घर में ही खेल का माहौल बनाइये। थियेटर और पापकॉर्न न सही, टीवी चलाओ, अंधेरा कमरा करो, मूंगफली और ठंडा पानी भी मजा दे सकता है। जंगल में मंगल हो सकता है तो फांके संग ठहाके क्यों नहीं हो सकते?

सच होगा, सब होगा, सोच की पॉजिटिविटी, सब साकार करेंगी।

मासिक सफाई- मन की

काम का उत्साह और मन मस्तिष्क की मोज मस्ती में कब निकल गया पता ही नहीं चला। नहीं, नहीं, अब जरा रूकिये, कुछ पता लगाइये, आत्मविश्लेषण से दिल-दिमाग की सफाई भी अब हर माह के अंत में जरूरी है। मासिक बजट में आय-व्यय का लेखा जोखा देखना, अपने स्वास्थ्य के लिये ही नहीं, सबके लिये फायदेमंद है। इस माह में आंतरिक ऊर्जा कितनी बड़ी, क्या कुछ और किया जा सकता है? क्या नहीं करना था? किसने अच्छा, किसने बुरा किया? हमारा सही गलत क्या हुआ? ईमानदारी से सोचिये और आगे बढ़िये।

वार्षिक साफ सफाई- दीवाली की सफाई, रंग, रोगन, रोशनी सबसे जरूरी है, दिल और दिमाग का हर कोना एक एक करके खाली कीजिये। हर विचार को हर कार्य को, हर रिश्ते को एक-एक कर हाथ में उठाइये, जरूरी नहीं तो फेंक दीजिये और जरूरी है, तो झाड़-पोछ कर दिल और दिमाग के उपयुक्त कोने में सजा लीजिये। कुछ टूट-फूट हो गई हो तो मरम्मत कर लीजिये। कहीं से आया, अनचाहा कुछ हो तो या तो उसे लौटा दीजिये या बेवजह समझ दिलो दिमाग से निकाल दीजिये, जो जगह खाली हुई है, उसे कुछ त्यौहार के अवसर पर नये आकर्षक विचारों से भर दो और कुछ जगह खाली छोड़ दो, साल भर जब जहां कुछ अच्छा मिलेगा, तब ले लेंगे।

सकारात्मक विचारों के साथ सहजता, सफलता, सरलता, समरसता, सद्भाव की सकारात्मक ऊर्जा देने वाले पर्व की सहस्र शुभकामनाएं।

आपको लग रहा होगा कि दीपावली जैसे पावन पर्व की बेला में भला आंसूओं का क्या काम? हम महालक्ष्मी का पूजन सुखी जीवन के लिये करते हैं, मात्र धन के लिये ही नहीं। ऐसे में यदि हम जीवन के स्वास्थ्य के आधार बिंदू आंसुओ का चिंतन न करें तो पर्व का लक्ष्य ही अधूरा रह जाऐगा। आईये देखे क्यो इतने महत्वपूर्ण हैं, ऑसू?

मत रोको बहते हुए आँसू

डॉ. एच. एल. माहेश्वरी
उज्जैन

भावनात्मक आँसू व्यक्ति को उदासी, अवसाद व गुस्से से मुक्त होने के योग्य बनाते हैं। यही आँसू नकारात्मकता ग्रस्त व्यक्ति को हद से बाहर जाने से भी रोकते हैं। रोने से मन का सारा मैल धुल जाता है। विश्व की प्राचीनतम और पूर्ण वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद ने आँसू रोकने से होने वाले रोगों का उल्लेख करते हुए लिखा है कि आँसुओं को रोकने से जुकाम, आँखों व सिर में दर्द, हृदय पीड़ा, अरूचि, चक्कर आना आदि रोग हो जाते हैं। एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में औसतन 60 लीटर आँसू बहाता है। आँसू में सोडियम क्लोराइड होता है जो उसे नमकीन बनाता है। इसके अलावा इसमें प्राकृतिक कीटाणुनाशक, लाइसोजाइम एंजाइम और एंटीबाडीज होते हैं, जो आँखों को संक्रमण से बचाते हैं।

जीवन की अनिवार्यता हैं आँसू

अमेरिका के 'टीचर रिसर्च सेन्टर' में क्राइंग (रोना) थेरेपी पर अध्ययन कर रहे डॉ. विलियम फ्रे का कथन है कि - 'चिकित्सा की दृष्टि से कहा जाए तो आँसू हमारे शरीर में एक प्रकार के उत्सर्जक हैं। जिस प्रकार पसीना हमारे शरीर से अत्यधिक नमक बाहर निकालता है, उसी प्रकार आँसू 'टाक्सिन' (ज्वगपद) बाहर निकालते हैं। आँसू आँखों को संक्रमण से बचाते हैं। साथ ही उनमें नमी बनाए रखते हैं। यह नमी आँखों को धूल-मिट्टी और कीटाणुओं से सुरक्षित रखती है, तनाव को कम करती है और मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। आज की जटिल एवं तनावग्रस्त जीवन पद्धति में आँसुओं की महत्ता एवं उपयोगिता के संबंध में अमेरिका के डॉ. जेम्स बॉड ने अपने कई वर्षों के अनुसंधान के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है कि यदि पुरूष कभी-कभी रो लिया करें तो उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है, क्योंकि मनुष्य ही एक ऐसा संवेदनशील प्राणी है जो मानसिक आघातों से त्रस्त होकर आँसू बहा सकने में समर्थ है।

दीर्घ आयु का भी कारक

रोना एक निश्छल भाव है। कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि जो लोग सहज भाव से रोते हैं वे अधिक स्वस्थ रहते है और उनका जीवन के प्रति नजरिया भी सकारात्मक रहता है। विशेषज्ञों का यहाँ तक कहना है कि रोने से दिमाग में पूर्व निर्मित नकारात्मकता आँसूओं के साथ बाहर निकल जाती है और उसके स्थान पर सकारात्मकता का प्रवेश होता है। अब मनोचिकित्सकों ने अनेक वर्षों के अध्ययन एवं अनुसंधान से यह सिद्ध कर दिया है कि 'हँसने की तरह रोना भी एक स्वास्थ्यवर्द्धक टॉनिक है।' अमेरिका के एक प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. विलियम ब्रियान के अनुसार अमेरिका के पुरुष से वहाँ की स्त्रियों की लम्बी आयु का रहस्य रोना ही है, क्योंकि स्त्रियाँ अपनी पीड़ा व मनोव्यथा को अक्सर आँसुओं के सहारे बाहर निकालती रहती है। डॉ. ब्रियान के कथनानुसार अमरीकी स्त्रियाँ ऐसी फिल्में देखने की बड़ी शौकीन होती है जिनमें रोना आता हो जबकि पुरुष ऐसी फिल्में कम देखते हैं। शायद रो-रो कर वे अपनी आयु बढ़ा लेती है। भारत में हृदय रोग एवं रक्तचाप से पीड़ित लोगों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। लेकिन यह वृद्धि पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं में बहुत कम है। इसीलिए पुरुषों की तुलना में स्त्रियों में दिल के दौरे के केस कम ही सुनने में आते है क्योंकि स्त्रियाँ रोने के द्वारा अपना दिल हल्का कर लेती है।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ब्रेड-ए
सच्चा साबू एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

भारतीय कालगणना का आधार पंचांग भी दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन में शामिल होता है। आमतौर पर लोगों ने इसे यहीं तक सीमित कर ज्योतिषियों तथा पंडितों की विषय वस्तु बनाकर रख दिया है। जबकि यह हमारे लिये वर्षभर उपयोगी होता है, बस जरूरत है ऐसे पंचांग के चयन की, जिसे हम सहजता से समझ सकें।

■ टीम SMT

कालगणना का महत्वपूर्ण आधार

पंचांग

क्या है पंचांग

पंचांग शब्द का शाब्दिक अर्थ है, पांच अंगों की जानकारी। काल गणना में पांचों प्रमुख अंगों की जानकारी जो दे उसे ही पंचांग कहते हैं। इनमें प्रमुख पांच अंग हैं, वर्ष, माह, वार, तिथि और नक्षत्र। वास्तव में देखा जाए तो स्थूल रूप से पंचांग की शुरुआत इन्हीं के लिए हुई थी, जो कलांतर में सतत शोध से और भी गहन व सूक्ष्म होता चला गया। वर्तमान में पंचांग ज्योतिष का आधार स्तंभ है, जिसके आधार पर ही कोई ज्योतिषी फलकथन करता है।

देश-काल की जानकारी का आधार

सर्वप्रथम तो हम पंचांग से संबंधित शहर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें उस शहर में संबंधित दिन का दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त का समय, चंद्रोदय-चंद्रास्त तथा खगोलिय जानकारी के लिए संबंधित शहर के अक्षांश व देशांश शामिल होते हैं। वर्तमान में पंचांग में देश के सभी प्रमुख शहरों के साथ ही लगभग संपूर्ण विश्व के प्रमुख शहरों के देशान्तर भी दिए होते हैं। इनके द्वारा कुछ गणना कर हम इन सभी शहरों के संबंध में भी यह सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

तिथि-वार आदि की जानकारी

पंचांगों में ईसवी वर्ष के अनुसार दिनांकों के साथ लगभग उनके सामने ही उस दिनांक की तिथि भी अंकित होती है। उसके आगे संबंधित तिथि की समाप्ति का समय ज्योतिषिय कालगणना के अनुसार घटी-पल में और उसके आगे वर्तमान कालगणना पद्धति के अनुसार घंटा-मिनट में भी दिया होता है। गत दिनांक की तिथि समाप्ति से उक्त दिनांक की तिथि समाप्ति तिथि तक संबंधित तिथि रहती है। अतः हम शुद्धतापूर्वक किसी भी दिनांक को किसी भी समय रहने वाली तिथि को ज्ञात कर सकते हैं। इस सारिणी में संबंधित दिनांक के वार के साथ ही नक्षत्र, योग, दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त आदि की जानकारी भी दी जाती है। वर्तमान में इसी सारणी में संबंधित दिवस के व्रत-त्योहार की जानकारी भी अंकित की जाती है।

वर्तमान में अत्यंत सहज मुहूर्त

कहा जाता है कि सही समय पर किसी कार्य के शुभारंभ का अर्थ ही उसकी आधी सफलता है। इसीलिये हमारी संस्कृति में हर शुभ कार्य के लिए मुहूर्त देखा जाता है। यह कार्य सामान्यतः ज्योतिषाचार्य ही करते आये हैं, लेकिन अच्छे व सरल पंचांगों से आम व्यक्ति भी आसानी से मुहूर्त ज्ञात कर सकता है। जैसे उदाहरणार्थ उज्जैन से प्रकाशित श्री विक्रमादित्य पंचांग में प्रारम्भ के पृष्ठों में विभिन्न कार्यों के लिये मुहूर्त शुद्ध कर दिए होते हैं। अतः पाठक इनके द्वारा अपने इच्छित कार्य के लिये मुहूर्त को देख सकते हैं। इतना ही नहीं विवाह जैसे गहन अवसरों के लिये भी सामान्यतः घर बैठे मुहूर्त देखा जा सकता है। इसके लिये वर-वधू की चंद्र राशि के अनुसार विवाह मुहुर्त शुद्धता पूर्वक दिये जाते हैं। इनमें अतिश्रेष्ठ, पूजा योग्य (अर्थात् मध्यम) व नेष्ट (त्याज्य) का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। चौघड़िये भी सूर्योदय के अनुसार स्पष्ट किये जा सकते हैं।

कई उपयोगी जानकारियों का खजाना

ज्योतिष के विशेषज्ञ तिथि आदि की गणना वाले पृष्ठ के नीचे दी गई ग्रह स्थिति और लग्न मान से गणना कर जन्म कुंडली आदि का निर्माण जैसे समस्त ज्योतिषिय कार्य कर सकते हैं। वैसे इसके लिये ज्योतिष की कम से कम सामान्य जानकारी होना आवश्यक है। फिर भी इसमें सूर्योदयकालीन समस्त ग्रह स्पष्ट इस तरह किए जाते हैं कि इनसे बड़ी आसानी से संबंधित समय व शहर के अनुसार ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं। वर्तमान में पंचांग अत्यंत वृहद रूप ले चुके हैं। इनमें सूर्य व चंद्र ग्रहण की स्पष्ट स्थिति उसके ग्रहणकाल के अनुसार तो दी ही जाती है, साथ ही देश आदि के लिये वर्षफल भी स्पष्ट होते हैं। इनके साथ जातक का सामान्य राशिफल भी स्पष्ट होता है। और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां पंचांगकर्ता शामिल करते हैं, जैसे 'श्री विक्रमादित्य पंचांग' में अनिष्टकारी ग्रहों की शांति के उपाय, कुंडली मिलान, स्वप्न विचार, वैधव्य, विष कन्या तथा मांगलिक योग, व्यापार भविष्य आदि कई जानकारियां दी गई हैं।

आमतौर पर जैसे पशुओं में गधे के नाम का उल्लेख विशेष परिस्थिति में उपेक्षापूर्ण होता है, ठीक वही स्थिति सब्जियों के मामले में कद्दू की भी है। लेकिन क्या आप जानते हैं, कि जिसका उल्लेख होते ही आप नाक - भौं सिकुड़ते हैं, उस कद्दू का रस कितना अनमोल है?

ब्लड प्लेटलेट्स भी बढ़ाता है
कद्दू का रस

कैलाश लड्ढा
93521 74466

कद्दू के ज्यूस में किसी भी ज्यूस की तरह बहुत सारी खूबियां होती हैं, पर इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह विटामिन D का बढ़िया स्त्रोत है, जो आपको किसी अन्य जूस से नहीं मिलता। तो इसका मतलब यह हुआ कि आप बिना धूप में जाए भी अपने शरीर में विटामिन D की पूर्ति कर सकते हैं, कद्दू का ज्यूस अपनाकर। कद्दू में विटामिन D के अलावा कॉपर, आयरन और फास्फोरस होते हैं। कद्दू के ज्यूस में विटामिन B1, B2, B6, C, E और बीटा केरोटिन भी भरपूर मात्रा में होते हैं। कार्बोहाइड्रेड्स और प्रोटीन भी कद्दू के ज्यूस में पाए जाते हैं। हर दिन करीब आधा कप कद्दू के ज्यूस की सलाह दी जाती है। कद्दू का रस निकालने के लिये ताजा पके हुए कद्दू को छीलकर बीज हटाकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिक्सर में चलाकर छान कर ज्यूस बना लीजिए इसमें स्वादानुसार चीनी और दूध मिला सकते हैं।

कई रोगों की रामबाण औषधि

⏭ कद्दू का ज्यूस लिवर और किडनी के लिए बहुत लाभकारी है। ऐसे लोग जिन्हें किडनी में पथरी की समस्या है, उन्हें कद्दू का ज्यूस रोजाना दिन में तीन बार जरुर पीना चाहिए।

⏭ कद्दू के ज्यूस में धमनियों को साफ रखने का गुण होता है जिससे दिल की बीमारियों और दिल का दौरा पड़ने का खतरा बहुत कम हो जाता है। कद्दू के ज्यूस में एंटी आक्सीडेंट्स काफी ज्यादा होते हैं जो शरीर को ऐरटेरी ओस्लेरोसिस बीमारी यानी धमनियों को कड़क होने से रोकने में बहुत कारगर है।

⏭ कद्दू के ज्यूस का एक और चमत्कारी गुण है, पाचन तंत्र के विषय में यह न सिर्फ कब्ज को दुरुस्त करता है बल्कि दस्त होने पर भी बहुत लाभकारी है।

⏭ कद्दू का ज्यूस अल्सर और गैस को भी ठीक करता है। इसमें किडनी और युरिनरी सिस्टम को व्यवस्थित रखने का गुण होता है।

⏭ कद्दू के ज्यूस में एक खास किस्म का गुण होता है, दिमाग को शांति देना। इसका यह गुण इनसोम्निया यानी नींद न आने की बीमारी में लाभ पहुंचाता है। इनसोम्निया के रोगियों को इसे शहद के साथ पीने की सलाह दी जाती है।

⏭ कद्दू का ज्यूस हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम करता है। इसमें पेक्टिन नाम का एक तत्व होता है जिसमें कोलेस्ट्रोल को कम करने का गुण होता है।

⏭ कद्दू के ज्यूस को शहद के साथ मिला कर पीने से शरीर को ठंडक का अहसास होता है और इस प्रकार यह शरीर के तापमान को कम करने में भी मदद करता है।

⏭ कद्दू के ज्यूस में प्रेग्नेंट महिलाओं में होने वाली सुबह के समय की समस्याओं यानी मॉर्निंग सिक्नेस से छुटकारा दिलाने का भी गुण होता है।

⏭ कद्दू के ज्यूस में विटामिन C और अन्य कई सारे मिनरल्स पाए जाते हैं जो शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने का काम करते हैं और इस तरह से शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाए रखते हैं।

⏭ कद्दू के ज्यूस में बालों को फिर से उगाने का गुण होता है। इसमें विटामिन A की मात्रा काफी होती है जो सिर की त्वचा को बहुत फायदा पहुंचाती है। इसके अलावा इसमें पोटेशियम भी पाया जाता है जिससे नए बाल उग आते हैं।

⏭ सबसे महत्वपूर्ण है कि कद्दू का रस पीने से रक्त में प्लेटलेट्स की मात्रा बड़ी तेजी से बढ़ती है, जो डेंगू बुख़ार में आश्चर्यजनक रूप से फायदेमंद है।

With Best Compliments From

Pravin Kumar Ratanlalji Rathi

Rathi Agencies
Shivaji Nagar, Warud, Distt. Amravati

Pharma Distributor

Matoshri Medicoes
Pandhurna Chauk,
Warud Distt. Amravati

Ph. : 07229-232481
Mo. : 78755-55300, 94229-16228

राशिफल
संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपको आर्थिक दृष्टि से विशेष समृद्धि प्रदान करने वाला होगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। पैतृक संपत्ति प्राप्ति के योग रहेंगे। स्वास्थ्य संबंधी छुटपुट परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। बड़ों के प्रति मन में श्रद्धा-आस्था-निष्ठा के भाव रहेंगे। विवाह संबंध निर्धारित होने के योग प्रबल रहेंगे। दांपत्य जीवन की अनुकूलता रहेगी। ससुराल या जीवन साथी के माध्यम से धन प्राप्ति के योग रहेंगे। राजकीय पक्षों की अनुकूलता रहेगी। पुरस्कार/सम्मान प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। संतान से संबंधित कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक यात्रा, शुभ यात्रा, शुभ कार्य में खर्च के योग प्रबल बने रहेंगे।

वृषभ

यह माह आपके लिए विरोधियों को परास्त करने वाला होगा। चुनौती भरे कार्यों को बड़ी ही युक्तियुक्त तरीके से करने में आपको सफलता अर्जित होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। याददाश्त कमजोर रहेगी। राजनीतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। पति-पत्नी में कुछ वैचारिक मत-अंतर संभव है। धार्मिक यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। नवीन कार्य व्यवसाय एवं बेरोजगारों को रोजगार प्राप्ति के योग प्रबल बने रहेंगे। पद-प्रतिष्ठा में पदोन्नति के योग प्रबल बने रहेंगे।

मिथुन

यह माह आपके लिए धार्मिक यात्रा से परिपूर्ण रहेगा। दांपत्य जीवन की अनुकूलता रहेगी। ससुराल एवं जीवन साथी के माध्यम से आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। मौज मस्ती में जीवन व्यतीत होगा। किसी देव विशेष की आराधना से ईश्वर की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे किंतु मानसिक तनाव भी उतना ही बना रहेगा। विरोधियों को परास्त करने में सफलता अर्जित होगी। अपने प्रयासों से निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ते चले जाएंगे। धार्मिक यात्रा, शुभ कार्य, मांगलिक कार्यों में सहभागिता के योग प्रबल बने रहेंगे। साथ ही झूठे आरोपों का भी सामना करना पड़ेगा।

कर्क

यह माह आपके लिए भौतिक सुखों में वृद्धि करने वाला रहेगा। इस माह में मकान सुख व वाहन सुख की वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। संतान से संबंधित प्रकरणों में भी अनुकूलता मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। गूढ़ रहस्य व ज्ञान में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। धार्मिक यात्रा के योग बने रहेंगे। आय अचानक कम और ज्यादा दोनों प्रकार से प्रभावित होगी। स्पष्टवादिता की वजह से कुछ कार्यों में व्यवधान उपस्थित होगा। विरोधी आपकी प्रगति से ईर्ष्या रखेंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे। खानपान में विशेष सावधानी बरतना आवश्यक रहेगा।

सिंह

यह माह आपको संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में विशेष सफलता प्रदान करने वाला होगा। चुनौती भरे कार्यों में सफलता मिलेगी। भाई-परिवारजनों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा परंतु बेचैनी भी बनी रहेगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। राजनीतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता अर्जित होगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। पाचन तंत्र पेट गैस की तकलीफ का सामना करना पड़ेगा। आलस्य को हावी नहीं होने दे, नहीं तो कई काम पेंडिंग रह जाएंगे। धार्मिक भावना से परिपूर्ण धार्मिक / मांगलिक आयोजनों में भाग लेंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे।

कन्या

इस माह में आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। शिक्षा के क्षेत्र में तथा संतान के कार्यों में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। यश की प्राप्ति होगी। आंखों से कष्ट के योग रहेंगे। असंभव एवं चुनौती से भरे हुए कार्यों को बड़ी ही युक्तियुक्त तरीके से करने में सफलता अर्जित होगी। नवीन वाहन खड़े करने के योग प्रबल बने रहेंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे। राजनीतिक संपर्क का लाभ होगा। आय के जमीनी स्त्रोत की प्राप्ति होगी। पद प्रतिष्ठा-पदोन्नति के योग प्रबल बने रहेंगे। इस अवधि में लोकप्रियता प्राप्त होगी।

तुला

यह माह आपको पैतृक संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता प्रदान करने वाला रहेगा, किंतु इस माह में स्वास्थ्य से संबंधित प्रकरणों में परेशानियों का भी सामना करना पड़ेगा। आय के साधनों में कमी एवं व्यवधान के योग परिलक्षित होते हैं। वाहन सुख व मकान सुख की प्राप्ति के योग रहेंगे। वाणी के कारण अपने बनते हुए कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। विवादित प्रकरणों में सफलता प्राप्त होगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। किसी विषय पर निर्णय लेने में समय ना गवाएं, नहीं तो परेशानी बढ़ेगी। गूढ़ रहस्य-ज्ञान का लाभ मिलेगा।

वृश्चिक

यह माह आपको आर्थिक दृष्टि से विशेष लाभकारी सिद्ध होगा। लेखन-प्रकाशन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। हाजिर जवाब तुरंत निर्णय लेने की क्षमता एवं वाकपटुता के कारण आपके रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी एवं प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता अर्जित होगी। प्रेम प्रसंग बढ़ेगा, विवाह संबंध में अनुकूलता प्राप्त होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। चुनौती भरे कार्यों को युक्ति-युक्त तरीके से करने में सफलता अर्जित होगी। भाई परिवार जनों का सहयोग प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। व्यय की अधिकता के योग रहेंगे।

धनु

यह माह आपके लिए राजकीय पक्ष की अनुकूलता के रूप में रहेगा। शासन में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। शत्रु पर विजय प्राप्ति के योग व स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता अर्जित होगी। विरोधी देखते रह जाएंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। शौक मौज मस्ती लंबी यात्रा मनोरंजन आदि पर खर्च करेंगे। शुभ मांगलिक, धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। विवाह /संबंध आदि का निर्धारण होने के योग प्रबल रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। पिछले कुछ वर्षों से रुके हुए समस्त कार्य पूर्ण होंगे। आय में वृद्धि होगी। उसी अनुपात में खर्च भी करेंगे।

मकर

यह माह आपके लिए भौतिक सुख सुविधा से भरा रहेगा। विगत कई वर्षों से रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। मनचाही सफलता मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि तो होगी परंतु खर्च भी उसके पीछे लगे रहेंगे। वाणी की वजह से अपने रुके हुए कार्यों में व्यवधान उपस्थित होगा। आय कभी बहुत अच्छी तो कभी बहुत कम इस प्रकार उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। किसी पर अंधा विश्वास करना हानिकारक करेगा। स्वास्थ संबंधी कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ेगा। गंभीर मसलों पर सोच विचार कर ही विनियोग करें।

कुम्भ

इस माह में आपको कड़ी मेहनत करना होगी, तभी सफलता अर्जित हो पाऐगी। वाणी कार्यों में रुकावट का कारण बनेगी। भाग्य भी पूरी तरह साथ नहीं देगा। सच बोलना व ईमानदारी से कार्य करना परेशानी का कारण बन सकते हैं, फिर भी कार्यों में सफलता अर्जित होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। अन्य मामलों में खर्चों में कमी तो रहेगी परंतु चिकित्सा पर व्यय करना पड़ेगा। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आप अपने संस्कार एवं सिद्धांतों पर ही सफलता प्राप्त कर पाएंगे। राजकीय पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक आयोजनों का हिस्सा रहेंगे। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन

यह माह आपके लिए आर्थिक दृष्टि से काफी अनुकूलता प्रदान करने वाला रहेगा। इस माह में आपको पुराने रुके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। विरोधी परास्त होंगे। उच्च अधिकारी बनने के योग रहेंगे। आय के नवीन अवसर की प्राप्ति होगी। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता एवं सम्मान प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। जीवनसाथी के माध्यम से आपको यश कीर्ति की प्राप्ति होगी। पुराने मित्रों से स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। बड़ों के प्रति मन में श्रद्धा-आस्था भाव निर्मित होगा एवं सेवा का अवसर प्राप्त होगा। ऋण के माध्यम से संपत्ति का निर्माण होगा। भाग्य अनुकूल रहेगा।

आज का दौर अर्थप्रधान दौर है। माना जा रहा है कि जेब में पैसा हो, तो सब कुछ है। ऐसे में आम तौर पर हर कोई पैसे को ही महत्व दे रहा है। पैसे की इस दौड़ में स्वास्थ्य तो ठीक, परिवार भी बहुत पीछे छूट गया है। परिवार के महत्व को भी नजर अंदाज करते हुए हम पैसे के ही पीछे भाग रहे हैं। बस इस सोच के साथ कि परिवार भी तभी रहेगा, जब जेब में पैसा रहेगा। ऐसे दौर में यह विचारणीय हो गया है कि क्या अर्थ के समक्ष परिवार व्यर्थ है। आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

अर्थ के समक्ष परिवार व्यर्थ

सहमत अथवा असहमत?

पैसों से मोह, परिवार से बिछोह

आज की युवा पीढ़ी ने जीवन को प्रतियोगिता समझ लिया है और इस जीवन प्रतियोगिता के परिणाम का आंकलन पैसों के स्तर पर करने लगी है। यही सोच उन्हें अपनों एवं अपने परिवार से दूर कर रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि युवा पीढ़ी अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने के लिए जी-तोड़ मेहनत करती है ; पर इस भाग-दौड़ में उनसे रिश्तों का बैलेंस बिगड़ जाता है। आगे बढ़ने की होड़ में घर-परिवार, रिश्ते-नातों को नजरंदाज करना अधिकांश युवाओं की आदत बन जाती है। धीरे-धीरे उनको अपने कार्यक्षेत्र और स्तर के लोग ही करीबी लगते हैं। जीवन में परिवार का महत्व कम हो जाता है। गाहे-बगाहे जरूरत के समय भी उन्हें परिवार की जगह कार्यक्षेत्र के लोग याद आते हैं। युवा-पीढ़ी यह भूल जाती है कि उसके कार्यक्षेत्र के लोग स्वार्थवश एक-दूसरे से जुड़े होते हैं जबकि परिवार निस्वार्थ भाव से आपके साथ खड़ा रहता है। परिवार के बिना तो दुनिया का अमीर से अमीर इंसान भी गरीब है। आपके पास पैसा हो या ना हो अगर परिवार आपके साथ है तो आपसे अधिक खुशकिस्मत कोई नहीं है। जीवन के उतार-चढ़ाव में परिवार हर हाल में साथ निभाता है। बड़े-बुजुर्गों के अनुभवों के साथ हमारा वर्तमान संवरता है और आने वाली नई पीढ़ी में परिवार के संस्कार पनपते हैं जो पैसों से नहीं मिलते। परिवार का साथ हो तो खुशियों को बढ़ाया और गमों को घटाया जा सकता है।

■ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव

एक सिक्के के दो पहलू

अर्थ के अभाव में परिवार और परिवार के अभाव में अर्थ दोनों का ही महत्त्व गौण हो जाता है। यह दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। वर्तमान युग भौतिक युग है। बढ़ती मंहगाई के चलते और पैसो के अभाव में जीवन में आये कटू अनुभव के चलते अर्थ को तवज्जो देना महत्त्वपूर्ण हो गया है। आखिर अर्थ के पीछे भागने का कारण ही परिवार है। स्वास्थ्य की अनिश्चितता, शिक्षा, बढ़ती जरूरतों को पूरा करने हेतु जीवन में अर्थ का अत्याधिक महत्त्व है। परिवार से दूर होना कोई भी नहीं चाहता किंतु परिवार की खुशियां खरीदने ही तो व्यक्ति अपनी सुख-सुविधा को त्यागकर निकल पड़ता है एक मंजिल की ओर और फिर वह धीरे-धीरे संपदा के मायावी जाल में फंसते जाता है। उसकी मानसिकता कार्यों को प्राथमिकता देने लगती है और यह सारी प्रक्रिया स्वाभाविक है। परिवार के आपसी रिश्तों में चाहे जितना प्रेम, प्रगाढ़ता रहे किंतु अर्थ के अभाव में इस प्रेम की जगह तनाव-निराशा ले लेती है। संस्कारों का योगदान महत्वपूर्ण हैं। संस्कार अच्छे हैं, तो दूर रहो चाहे पास, आज की पीढ़ी अपने माता-पिता का पूरा ध्यान बहुत अच्छे से रखती है। साथ ही माता-पिता भी अपने बच्चों को प्रगति के सोपान पर ऊपर चढ़ते देख प्रसन्न होते हैं, उनके मन में बच्चों के आत्मनिर्भर होने से अलग ही संतुष्टि का भाव होता है, जिससे वह खुश रहते है और अन्य जनहितार्थ कार्य करने में सक्रिय रहते हैं। परिवार और अर्थ से पहले महत्वपूर्ण है सेहत, इसलिए शरीर को स्वस्थ रखना अधिक जरूरी है। शरीर स्वस्थ होगा तभी वह हर दिशा में अपना सौ प्रतिशत दे पायेगा।

■ **राजश्री राठी**, अकोला

दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे

अर्थ के समक्ष अगर परिवार व्यर्थ होता तो लोग परिवार के लिए अर्थ क्यो एकत्रित करते? क्योंकि अर्थ और परिवार दोनो एक दूसरे के बिना अधूरे है। अर्थ से हम चकाचौंध की दुनिया में सब कुछ खरीद सकते है, लेकिन परिवार के अपनेपन की कीमत अर्थ से कभी पूरी नही कर सकते। अर्थ से जीवनयापन ऐशोआराम से भरा होता है। किन्तु विपरीत परिस्थिति में परिवार का साथ ही मंझधार से उभारता है। अगर परिवार का साथ हो तो अर्थ की कमी कभी महसूस नहीं होती है। बदलते परिवेश में बच्चों के भविष्य को संवारने हेतु परिवार से दूर जाना पड़ता है। किन्तु अर्थ के पीछे भाग कर परिवार को नजरअंदाज करना गलत है। परिवार ही संस्कार की नींव है। अगर नींव मजबूत होगी तो अर्थ के समक्ष परिवार का साथ हमेशा बना रहेगा। अर्थ और परिवार का साथ ही खुशियों की कुंजी है।

■ **किरण कलंत्री**, रेनुकूट (उ.प्र.)

परिवार है तो सब कुछ है

अर्थ के समक्ष परिवार 'व्यर्थ' यह कथन बिल्कुल गलत है, क्योंकि हमारी भारतीय सभ्यता में परिवार से बढ़कर कुछ नहीं है। धन एकत्रित कर रहे हैं, तो उसका उपयोग परिवार, स्नेहीजन के लिए ही तो करते हैं। धन तो आता है, जाता है परंतु परिवार एक बार टूट गया तो वापस नहीं जुड़ता। माना कि धन से हर व्यक्ति के लिविंग स्टैंडर्ड और रहन-सहन, स्टेटस आदि डिसाइड होता है, परंतु उसे करने वाला तो सामाजिक मानव ही है। आज की महंगाई में धन एक आवश्यकता हो गई है। कोरोना काल में गत 2 वर्षों में वैसे ही कामकाज और अर्थव्यवस्था हर देश की डाँवाडोल हो गई है। इसलिए समय अनुसार अर्थव्यवस्था और पारिवारिक व्यवहार दोनों ही बैलेंस करना अति आवश्यक है। तभी जीवन के पहिए की सही राह, निश्चित होगी। समझदार को इशारा काफी है।

■ **पूजा काकाणी**, इंदौर (म.प्र.)

रिश्ते ही सबसे बड़ा धन

परिवार साथ में रहेगा तभी तो अर्थ का सही उपयोग होगा। अर्थ भी उतना ही जरूरी है, जितना परिवार। जैसे पानी बचाना ही उचित है, वैसे ही अर्थ के लिए पारिवारिक मनमुटाव अनुचित है। हर जरूरत को पूरा करने के लिए अर्थ चाहिए, परंतु गैरकानूनी ढंग से जमा किया हुआ पैसा परिवार में अशांति प्रदान करता है। पैसे कमाने के चक्कर में लोग अपने जीवन का असली मकसद भूल रहे हैं। पारिवारिक रिश्ते धन से या अर्थ से नहीं खरीदे जा सकते। बल्कि आपसी प्रेमभाव एक दूजे को समझने के साथ एकजुट रहने में ही रहता है। अर्थ एक ऐसी चीज है जो जिनके पास है वो अपने मन को स्थिर रखता है। इसके रहते हमारा रुतबा बढ़ता है। इसे इतना ही महत्व देना चाहिए कि परिवार बिखरने ना पाए। यह हमें समाज में ऊपर उठाता है, पर इसे ऊपर ले जाने की कोई भी सुविधा अभी तक नहीं हुई है। मेरे ख्याल से पारिवारिक रिश्ते ही सबसे बड़ा धन हैं और इसे सही समय जरूरत के मुताबिक अगर खर्च करें तो "अर्थ के समक्ष परिवार व्यर्थ" वाक्य झूठ साबित हो सकता है।

■ **मीना कलंत्री,** वसई (मुंबई)

परिस्थितियों के अनुसार महत्व

सहमत अथवा असहमति यह बात तो पारिवारिक परिस्थितियों के अनुरूप लागू होती है। यदि परिवार में आपसी घनिष्ठता, अपनापन व लगाव हो तो अर्थ तुच्छ हो जाता है और यदि परिवार में प्रतिस्पर्धा, एक दूसरे को नीचा दिखाने की भावना है तो उस स्थान पर अर्थ महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वहां आपसी सौहार्द्र नहीं अपितु पैसे को अधिक महत्व मिलता है। परिवार ऐसी सामाजिक संस्था या संगठन है जो यदि संगठित होता है तो व्यक्ति को हर परिस्थिति से निकाल लेता है परंतु इसमें यदि आपसी खींचतान है तो वहां अर्थ अर्थात पैसा महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वहां परिवारजनों में प्रेम की नहीं अपितु लोभ की भावना होती है और लोभ का संबंध अर्थ से होता है। निष्कर्ष यही है कि पारिवारिक परिस्थितियों के अनुरूप ही 'अर्थ के समक्ष परिवार व्यर्थ' या फिर 'परिवार के समक्ष अर्थ व्यर्थ' का वाक्य लागू होता है।

■ **ममता लखाणी,** नापासर

परिवार से ही 'अर्थ' है

"बंद मुट्ठी लाख की खुल जाये तो खाक की" जी हां, यह कहावत आज भी बिल्कुल सार्थक है। त्याग, बलिदान, समर्पण, सेवा, प्रेम इनसे मिलकर बनता है परिवार और यह पाँच अंगुलियाँ जब आपस में मिल जाती हैं तो ये परिवार की ऊर्जा बन जाती है। इसी से परिवार है, और परिवार से हम हैं। आपसी सामंजस्य से बाधा रूपी सागर (चाहे पैसे की हो या कोई भी) पर सेतु बनाकर उसे पार किया जा सकता है। बंद मुट्ठी का ही अर्थ है नहीं तो काहे के आप समर्थ हैं। सिर्फ अर्थ से ही आपके सामर्थ्य की तुलना नहीं की जा सकती है। पारिवारिक मूल्यों का भी उतना ही "अर्थ" है जितना कि अपनेपन में "अर्थ" का। माना कि अर्थ, क्षणिक खुशी दे सकता है किंतु परिवार जीवन भर की। परिवार ही प्रथम सीढ़ी है जिस पर चलकर वह अगली सीढ़ी पर पहुंचता है। परिवार आपको मानसिक रूप से मजबूत ही नहीं करता अपितु प्रेरणा भी देता है, आपका मार्ग प्रशस्त करता है। जीवन का आधार तो परिवार ही है ना कि पैसा। परिवार से बड़ी दौलत कोई हो ही नहीं सकती।

■ **अजय पनवाड़,** बाँरा (राज.)

With Best Compliments From

Somani SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

the inner strength for your construction

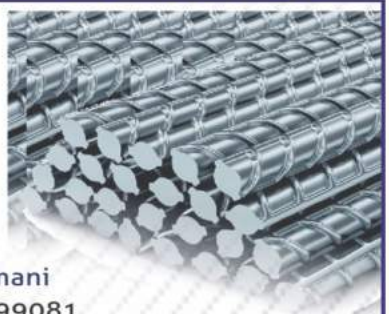

Sanjay Kumar Somani +91 - 92465 34957
Sudhir Kumar Somani +91 - 98490 24065
Aakash Somani +91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY
MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Mahendra Rathi 92468-87753
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

vishalprinter.com

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

With Best Compliments from...

Sri Arun Laddha
Director

JRL
GROUP
Creating Wealth
Preserving Values

Sri Jodh Raj Laddha
Chairman

J. R. Laddha Financial Services Pvt. Ltd.

The Trusted Corporate Financial Advisor For Last Four Decades

- Wealth Management
- Corporate Finance
- Investment Banking

Our focus has always been on twin aspects of preserving Values in business and creating wealth for our customers.

Corporate Office

5th Floor, Nehru Center, Worli, Dr. Annie Basant Road, Mumbai - 400 018
Ph.:(022) 4025 9000 Fax: +91 22 4025 9001

Registered Office

"Everest House", 8th Floor, 46C, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata 700 071 Ph.:(033) 2288 2990/91/93 Fax: +91 33 2288 2994

BRANCH OFFICE : NEW DELHI

info@jrladdha.in • www.jrladdha.in

खुश रहें - खुश रखें

पीड़ा को विस्मृत करें, सृजन के संकल्प को स्मृति में रखें

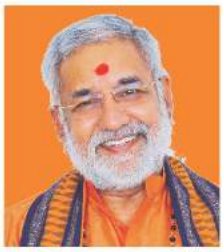

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

दुर्घटनाएँ सभी की जिंदगी में होती रहती है। आदमी बड़ा हो या छोटा, जीवन में कभी न कभी हादसों से गुजरना ही पड़ता है। सभी महान व्यक्ति जीवन में विपरीत हालात का सामना कर चुके हैं लेकिन यदि दृष्टि आध्यात्मिक हो तो हादसे से हुए विनाश में भी सृजन किया जा सकता है। सृजन की यही वृत्ति हमें दुख, पीड़ा, कष्ट, परेशानी और निराशा से उबार लेगी।

श्रीराम ने सीता अपहरण जैसे विपरीत हालात देखे थे तो श्रीकृष्ण ने अपने बचपन में दुर्घटनाओं की लंबी शृंखला देखी थी। वृंदावन के वन में आग लग जाना, पिता नंदबाबा पर राक्षसों के आक्रमण आदि। महावीर ने अपनो से दुर्घटनाएं झेलीं तो मोहम्मद ने इस्लाम को हादसों के बीच गुजारकर सलामत स्थापित किया था। कौन बचा है कुदरत की मार से।

हादसे तो होते ही हैं, सवाल है कि उनका सामना कैसे किया जाए। भागवत में कहा है याद करने पर बीता हुआ सुख भी दुख देता है तो फिर दुख तो दुख देगा ही। जीवन में हुई दुर्घटनाओं के बाद उसकी पीड़ा को जितनी जल्दी विस्मृत कर देंगे उतनी ही शीघ्रता से नया सृजन कर पाएंगे। इसलिए पीड़ा को विस्मृत करें और सृजन के संकल्प को स्मृति में रखें।

राम-कृष्ण से लेकर अब तक जितने भी महान लोग हुए हैं उन्होंने जीवन के विपरीत हालात में पीड़ा को भी सुख में बदलने की कला सिखाई। अध्यात्म ने कहा है अपने साक्षी हो जाओ। राम-कृष्ण से लेकर अब तक जितने भी महान लोग हुए हैं उन्होंने जीवन के विपरीत हालात में पीड़ा को भी सुख में बदलने की कला सिखाई। अध्यात्म ने कहा है अपने साक्षी हो जाओ। इसी साक्षी भाव को जागरण, ध्यान, मुक्ति कहा गया है, जो भीरू होते हैं वे भगवान को उपलब्ध नहीं होते। भगवान ने कहा, "मैंने जो जीवन दिया है उसे विपरीत परिस्थितियों में आपने कैसे गुजारा, मैं उसका भी हिसाब रखता हूँ।"

इसलिए जब संकट आए तो बाहर की व्यवस्थाएँ तो हमें अपने कर्म से जुटानी हैं लेकिन अंतरमन की व्यवस्थाओं को अध्यात्म से सुनियोजित करना है। परिणामतः भीतर से हम शांत होंगे और बाहर बेहतर नवसृजन कर पाएंगे।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

a i s a k y o n

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

सॉफ्ट टच

सामग्री : एक कप खोया, एक कप पनीर, मिल्क पाउडर आवश्यकतानुसार, आधा चम्मच इलायची का पाउडर, आधा बड़ा चम्मच पिसी शक्कर, पिस्ता कटा हुआ, हरी कैंडी।

सामग्री : खोया को बढ़िया किस ले, पनीर को भी किस ले, अब इसमें पिसी चीनी मिलाकर खूब अच्छी से मिक्स कर ले।

यह मिश्रण अच्छा स्मूथ हो गया कि इसमें इलायची पाउडर और बड़े दो चम्मच या आवश्यकतानुसार दूध पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस मिश्रण के मीडियम साइज की टिकिया बनाकर उसके ऊपर पिस्ता और कैंडी लगाकर सजा कर इस दिवाली पर झटपट बनने वाली सॉफ्ट टच मिठाई पेश करें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

फिल्मी चकाचोंध सूं बचो

खम्मा घणी सा हुकम आज आपा बात कर रिया हां... फ़िल्म इंडस्ट्री रो प्रसिद्ध नायक शाहरुख खान रे बेटे आर्यन री... जो इंटरनेशनल ड्रग्स रैकेट सूं जुड़ियोडो थो और विन पार्टी में ड्रग्स पकड़ी भी गई... अबार पुलिस री गिरफ्त में है ।

हुकम अगर बात करां संस्कार री तो शायद शाहरुख खान ऐड़ो पहलों पिता हुवेलां जो आपरें मन री बात खुलने एक इंटरव्यू में कही कि.. 'मैं चाहता हूं आर्यन सारे गलत कार्य करें, ड्रग्स लें और सेक्स करें।' जण शाहरुख खान या बात इंटरव्यू में करीं तो सारी दुनिया चौंक गई।

हुकम, आज देश री नई पीढ़ी रा रोल मॉडल यानी बॉलीवुड रे सितारों ने आपरों रोल मोडल मान रही है जिणमें बॉलीवुड रा कई सितारा शिखर पर है और फ़िल्म इंडस्ट्री री चकाचोंध करण वाळी लाइफ स्टाइल रे पीछे रा कारनामा भी चोंकावण वाळा है।

हुकम आपाने यों समझणों चईजे कि हिंदी सिनेमा में काम करने पैसों कमावणो रोजगार रो एक माध्यम है ज्यों प्राइवेट कंपनी में नौकरी करण वाले री हुवें ।

अब आपने एक सवाल..?

कांई आप भी इन नशेड़ी कलाकारों ने आपरो रोल मॉडल मान याणी फ़िल्म देखने आपाणी खून पसीने री गाढ़ी कमाई इण फिल्मी कलाकारों री झोली मे डालनी पसंद करोला..?

नहीं न..

हुकम या फिल्मी लोग करोड़ो रूपये री ड्रग्स रा कारोबार करें.. याणे देख आपा आपाणी संस्कृति रो नाश कर रियाँ हां...

सच कहूं हुकुम देश री कई कॉलेजों में बोलिवुड रे जरिये ड्रग्स पंहुचाई जावें ।

अब इण चकाचोंध री दुनियां सूं निकळ आपाणी परम्पराओं ने, धर्म ने, संस्कारों ने तवज्जो नहीं देवोला तो आवण वाळी पीढ़ी सब पथभ्रष्ट हूँ जावेला और जिना जिम्मेदार आपा ही हुवोला।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- तारीखों में .. धीरे धीरे .. व्यतीत हो रहे हैं हम....!!
  आज हैं ... लेकिन हर क्षण..अतीत हो रहे हैं हम...!!
- बड़ी अजीब सी बादशाही है, दोस्तों के प्यार में ।
  ना उन्होंने कभी कैद में रखा, न हम कभी फरार हो पाए..
- मुझे क्या? हमें क्या? तुम्हें क्या...!!!
  और बस, रिश्ते धीरे धीरे खत्म...!!!
- ऐसा लगता है नाराज़गी बाक़ी है अभी,
  हाथ थामा है मगर, उसने हाथ दबाया नहीं।
- बहुत मुश्किल काम है सभी रिश्तों को खुश रखना..!!
  चिराग जलाते ही.. अंधेरे रूठ जाते हैं..!!
- जीता रहा मैं... अपनी धुन मे,
  दुनिया का कायदा नहीं देखा....
  रिश्ता निभाया तो दिल से,
  कभी फायदा नहीं देखा....!!!!

कार्टून कौतुक

शतायु होकर देवलोकगमन का सौभाग्य अत्यंत बिरलों को ही मिलता है। ऐसा ही सुअवसर ग्राम-राजोद (जिला धार) में बना, जब बाहेती परिवार की वरिष्ठ श्रीमती तारादेवी बाहेती ने शतायु हो पालकी में अंतिम बिदाई ली। उनके अंतिम दर्शन के लिये स्नेहीजन उमड़ पड़े।

पालकी में अंतिम यात्रा पर निकलीं

श्रीमती तारादेवी बाहेती

स्व. श्री अमृतलाल बाहेती की धर्मपत्नी श्रीमती तारादेवी बाहेती का शतायु होकर गत 15 अक्टूबर को देहावसान हो गया। आप मिलनसार स्वभाव तथा धार्मिक व्यवहार के साथ 100 वर्ष से अधिक आयु पूर्ण करती हुई पूरे राजोद कस्बे में अत्यंत सम्मानीय थीं। आप अपने पीछे पुत्र नारायण बाहेती, 3 विवाहित पुत्री रमा, पुष्पा व किरण पौत्र मधुसूदन व गौरव बाहेती सहित नाती पौत्रों का भरापूरा परिवार छोड़ गयी हैं। आप श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती की ताईजी भी थीं।

अंतिम बिदाई में जनसैलाब

शतायु होकर देहावसान होने से श्रीमती बाहेती की अंतिम यात्रा पालकी में अत्यंत भव्य रूप में निकाली गई। उनकी मिलनसरिता तथा बाहेती परिवार के सम्पर्कों का इसमें ऐसा प्रभाव दिखाई दिया कि भारी जनसैलाब कोरोना गाइड लाईन का पालन करते हुए उमड़ पड़ा। कई परिवारों ने तो अपनी दहलीज पर खड़े होकर भी श्रीमती बाहेती को अश्रुपूरित अंतिम बिदाई दी।

अत्यंत सरल तरीकों से वास्तु सम्मत नकारात्मकता को सकारात्मक ऊर्जा में बदलने में अपना नि:स्वार्थ योगदान देने वाले उज्जैन निवासी 78 वर्षीय किशोर कुमार राठी का गत 18 अक्टूबर को देहावसान हो गया। आपके देहावसान ने वास्तु के क्षेत्र में एक विशिष्ट शोध की रिक्तता उत्पन्न कर दी है।

नहीं रहे नि:स्वार्थ वास्तुविद्

किशोर कुमार राठी

वास्तु शास्त्र वास्तव में अपने गुण दोषों से होने वाले नकारात्मक व सकारात्मक ऊर्जा परिवर्तन के कारणों व प्रभावों का विश्लेषण करता है। इसके अनुसार नकारात्मक ऊर्जा नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करती है। ऐसी ही नकारात्मकता की खोज कर सकारात्मकता की ओर ले जा रहे थे, उज्जैन के वास्तुविद किशोर कुमार राठी। उम्र के उत्तरार्द्ध में चल रहे उज्जैन निवासी वरिष्ठ वास्तुविद् श्री राठी एक ऐसे वास्तुविद् थे, जो अपनी चिरपरिचित पहचान डाऊजिंग व कॉपर रॉड द्वारा लंबे समय से वास्तु के क्षेत्र में अपनी सेवा दे रहे थे। अब जब शरीर भी ठीक से साथ नहीं देता ऐसे में भी यदि कोई उनसे परामर्श चाहता तो वे देने में पीछे नहीं रहते थे।

डाऊजिंग थी उनकी पहचान

श्री राठी अपनी डाऊजिंग पद्धति द्वारा भूमि के किसी भी स्थान की सकारात्मकता या नकारात्मकता का परीक्षण कर लेते थे। श्री राठी कहते थे यदि डाऊजर किसी स्थान पर एंटीक्लॉकवाइज घुमे तो वहाँ नकारात्मकता तथा क्लॉकवाईज घुमे तो सकारात्मकता होती है। हर व्यक्ति की अपनी निर्धारित शुभ दिशा है, जिस दिशा का मकान उसके लिये शुभ होता है। भवन के अंदर पाये जाने वाले नकारात्मक स्थानों को सकारात्मक बनाने के लिये वैसे तो मार्केट में कई वास्तु उपकरण मौजूद हैं, लेकिन श्री राठी इन सबकी तुलना में दर्पण को सबसे अधिक प्रभावशाली मानते थे। उनके अनुसार दर्पण में तरंगों की प्रकृति को बदलने की अद्भूत शक्ति है। वास्तव में यह सकारात्मकता और नकारात्मकता पंच तत्वों के संतुलन व असंतुलन का ही परिणाम है।

अश्रुपुरित नेत्रों से बिदाई

श्री राठी लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। ऐसे में गत 18 अक्टूबर को 78 वर्ष की वयोवृद्धावस्था में आपने अंतिम बिदाई ली। आपके देहावसान ने वास्तु प्रेमी वर्ग के बीच शोक की लहर फैला दी। आप अपने पीछे ठेकेदार पुत्र शैलेंद्र राठी, विवाहित पुत्री प्रीति (इंदौर), शशी (देवास) तथा रमा (इन्दौर) का भरा पूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

द्वितीय पुण्य तिथि

10 नवम्बर

हमारे स्नेह के वट वृक्ष

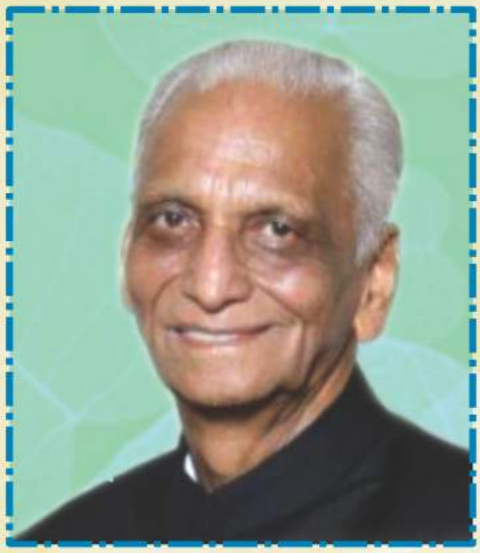

स्व. श्री ब्रजभूषण बजाज

जिनके संस्कारों ने हमें किया सदैव मार्गदर्शित
आपका स्नेह एवं आशीर्वाद से सदैव बना रहेगा
हमारा संबल

श्रद्धासुमन अर्पित

डॉ. सरोज बजाज (धर्मपत्नी)

अनुराग बजाज (पुत्र)

पराग-नम्रता बजाज (पुत्र-पुत्रवधू)

(पूर्व सभापति-नार्थ अमेरिका माहेश्वरी महासभा)

अर्चना-निर्भय (पुत्री-दामाद)

आदित्य, यश, अनंत व अर्जुन (पौत्र)

नेहा, नीरज (दौहित्र)

ASHOK SOMANY

M/s. ASHOK SOMANY & Co.

Mining of Natural Stone & TIles

Khol House, Circular Road, Rewari - 123401 (Hry) Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel. : 01274-225385, Mob. : 981245677, Res. : 01274-260088, 260048
Email : accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

AAKASH SOMANY

SOMANY NATURAL STONES (I) Pvt. Ltd.

All Kind of Natural Stone & Tiles

Plot No.5, Delhi Rewari Road, Rewari-12340 1 (Hry)
Mobile : 9812345677, 9812028488
Email : mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY IMPEX

Exporter of All Kind of Natural Stoen &Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry), Unit-Khol Road, Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel.: 01274-225385, Mob. : 9812028488, 9215689102
Email: accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

DEVVRAT OVERSEASE

All Kind of Natural Stone & Tiles

Vil. Mehtawas, Mehtawas Road (Raj), Mobile : 9812345677, 9812025385
Email: mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY (P.G) INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT

Running B.Tech & M.Techinfidderent Discilines of Engineering

Near Delhi-Jaipur Highway No. 8, Beside 3 km, From Rewari City, Rewari (Hry) Tel. 01274-261239, 261781
Fax: 01274-261239, Mob. 9541069998
Email : Info@sitmrewari.com I admin@sitmrewari.com I accounts@sitmrewari.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 20 Hospitals: 1 million patients treated

Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccines in Maharashtra. Over 1800 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 November, 2021

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com